दिगन्तर

न्याय और समता के लिए शिक्षा

वार्षिक रपट 2011-12

अनुक्रम

1. दिगन्तर के बारे में 03

2. मुख्य कार्यक्रम

   2.1 दिगन्तर विद्यालय 06

   2.2 अकादमिक संदर्भ इकाई (तरू) 17

   2.3 शिक्षा विमर्श : शैक्षिक चिन्तन एवं संवाद की द्विमासिक पत्रिका 24

   2.4 संदर्भ सहायता इकाई 26

3. अन्य कार्यक्रम

   3.1 DFID's ग्लोबल स्कूल पार्टनरशिप कार्यक्रम 29

   3.2 शिक्षा समर्थन 31

4. विकसित शिक्षण सामग्री 33

5. सहयोग व भागीदारी 34

6. दिगन्तर संरचना 35

   6.1 कार्यकारी समिति

   6.2 जनरल बॉडी

7. परिशिष्ट

   7.1 शिक्षण सामग्री सूची 36

   7.2 कार्यकर्ता विवरण 38

   7.3 वित्तीय विवरण 43

   7.4 दिगन्तर पहुँचना 50

1. दिगन्तर के बारे में

दिगन्तर शिक्षा एवं खेलकूद समिति[1] 1958 अधिनियम के तहत् वर्ष 1988 से पंजीकृत एक अलाभकारी स्वयंसेवी संस्था है। दिगन्तर का शैक्षिक नजरिया समतावादी, लोकतान्त्रिक एवं बहुसांस्कृतिक समाज की संकल्पना पर आधारित है। संस्था प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मुहैया कराने की पक्षधर है।

दिगन्तर की शुरुआत वैकल्पिक शिक्षा के क्षेत्र में एक छोटे से विद्यालय के तौर पर हुई। वर्ष 1978 में दो शिक्षकों ने 20–25 बच्चों के समूह के साथ इस विद्यालय की शुरुआत की। एक परिवार से प्राप्त वित्तीय सहायता से संचालित यह विद्यालय बच्चों के लिए निःशुल्क शिक्षा प्रदान करता था। आज जिस सतत् व व्यापक मूल्यांकन को स्कूलों में प्रयोग में लाने की बात की जाती है दिगन्तर के इस विद्यालय में बच्चों की उपलब्धियां का मूल्यांकन इसी तर्ज पर किया जाता था। मूल्यांकन को इस विद्यालय में बच्चों के सीखने–सिखाने की प्रक्रिया का हिस्सा माना गया। यहां बच्चों की उपलब्धियों को जांचने के लिए परीक्षा नहीं ली जाती थी। इस विद्यालय में इस बात का खासतौर से खयाल रखा गया कि बच्चों के सीखने–सिखाने की प्रक्रियाओं को भयमुक्त रखा जाए और बच्चे तथ्यों को रट कर याद भर न करें बल्कि उन्हें समझ कर सीखें। इस बात को समझा गया कि यदि सीखने–सिखाने की प्रक्रियाओं में बच्चों की रुचियों का ध्यान रखा जाएगा तो बच्चे सीखने में ज्यादा आत्मनिर्भर होंगे और वे स्वतः प्रेरित हो कर गतिविधियों में हिस्सा लेंगे।

एक छोटे समूह के रूप में लगभग 10 वर्षों (1978 से 1988) तक संचालित इस विद्यालय का **मुख्य लक्ष्य था,** मूल्यपरक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के द्वारा बच्चों में आपसी सहयोग, स्वतंत्र चिंतन की क्षमताओं का विकास। इस विद्यालय में सीखने–सिखाने के ऐसे तरीकों को विकसित करने पर ध्यान दिया गया जो बच्चों को सीखने में आत्मनिर्भर बनने में मदद करते हों।

इन 10 वर्षों के दौरान शिक्षकों को प्राथमिक शिक्षा के सैद्धान्तिक और व्यवहारिक पहलुओं को समझने और अध्ययन करने का पर्याप्त अवसर मिला। इस प्रकार विद्यालय में नियमित काम करते हुए **एक ओर** शिक्षा का आशय समझने तथा समाज से उसका संबंध तलाशने का काम किया गया। **दूसरी तरफ,** शिक्षा और समाज के विकास के लिए काम कर रहे अन्य समूहों/साथियों के साथ परस्पर बातचीत की गई। इस प्रयास ने प्राथमिक शिक्षा के क्षेत्र में काम कर रहे समूहों का ध्यान आकर्षित किया और विद्यालय का अन्य लोगों के साथ संबंध बनना प्रारम्भ हुआ। धीरे–धीरे इस विद्यालय में काम के आधार पर प्राथमिक शिक्षा दर्शन के मूलभूत सिद्धान्तों को लेकर ज्यादा स्पष्ट समझ बनी।

---

[1] दिगन्तर संस्था को दिया गया सभी प्रकार का दान/अनुदान आयकर अधिनियम की धारा 10 (23 c)(VI) के अन्तर्गत कर मुक्त है। कानून 1976 के अन्तर्गत विदेशी योगदान (नियमन) पंजीकृत है।

आरम्भ में यह विद्यालय ग्रामीण बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए विशेषाधिकार की ज्यादा जरूरत के रूप में था। इसमें अन्य लोग जुड़े, संस्था ने रूप लिया और 'दिगन्तर शिक्षा एवं खेलकूद समिति' के नाम से पंजीकरण हुआ। इसके संचालन के लिए जयपुर के दक्षिण–पूर्व गांव/ढ़ाणी को कार्यक्षेत्र के रूप में चुना गया।

मुख्य उद्देश्य–

- शिक्षा की उन्नति के लिए नये दृष्टिकोण को व्यवहारिक धरातल पर परीक्षण हेतु विद्यालय स्थापित करना व उनका संचालन करना।
- शिक्षा विषयक चिन्तन व नई शिक्षण विधियों के विकास के लिए कार्य करना तथा उन्हें प्रोत्साहित करना।
- शिक्षा से संबंधित शोध कार्य को प्रोत्साहन देना।
- सांस्कृतिक उन्नयन तथा सामाजिक उन्नति के लिए कार्य करना।

वर्तमान में संस्था शिक्षा से जुड़े निम्न पहलुओं पर काम कर रही है–

- शिक्षा में नवाचारों और शिक्षाशास्त्रीय विचारों को क्रियान्वित एवं परिष्कृत करते हुए ग्रामीण क्षेत्र में दो विद्यालयों का संचालन।
- विभिन्न सांस्कृतिक पृष्ठभूमियों में शैक्षिक गतिविधियों पर आपसी समझ विकसित करने का अवसर मुहैया कराना।
- अकादमिक संदर्भ इकाई के माध्यम से शिक्षाक्रम एवं शिक्षण सामग्री विकसित करना, शिक्षा से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर शोध, शिक्षक प्रशिक्षणों का आयोजन तथा अन्य संस्थाओं को अकादमिक मदद मुहैया करवाना।
- सरकारी तंत्र के साथ मिलकर विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता को सुधारने के लिए काम करना।
- आरंभिक शिक्षा में स्नातकोत्तर कार्यक्रम की रूपरेखा बनाने और क्रियान्वयन में सहयोग प्रदान करना।
- शिक्षा में मौजूदा अकादमिक विमर्श के लिए '**शिक्षा विमर्श**' के नाम से पत्रिका का प्रकाशन।
- संस्था के सभी कार्यक्रमों को व्यवस्थात्मक मदद मुहैया कराने के लिए संदर्भ सहायता इकाई का संचालन।

2. वर्ष 2011–12 में संचालित मुख्य गतिविधियां एवं कार्यक्रम विवरण–

	कार्यक्रम	उद्देश्य	लाभान्वित	सहयोगी	टीम
मुख्य कार्यक्रम एवं गतिविधियां	दिगन्तर विद्यालय	• गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से वंचित बच्चों विशेषकर बालिकाओं को शिक्षा उपलब्ध कराना। • शिक्षा में कार्यरत विभिन्न संस्थानों एवं व्यक्तिओं को अकादमिक मदद मुहैया कराना।	• बच्चे, विशेष रूप से बालिकाएं। • विभिन्न संस्थाएं, बच्चे और शिक्षक।	अजीम प्रेमजी फाउन्डेशन	45
	शिक्षा विमर्श	शैक्षिक चिन्तन एवं संवाद के लिए पत्रिका प्रकाशित करना।	शिक्षा में रूचि रखने और काम करने वाले व्यक्ति/संस्थान।	-	02
	अकादमिक संदर्भ इकाई	शिक्षा में कार्यरत संस्थाएं और दिगन्तर कार्यक्रम को अकादमिक मदद मुहैया कराना।	विभिन्न संस्थाएं, बच्चे और शिक्षक।	अजीम प्रेमजी फाउन्डेशन	17
	संदर्भ सहायता इकाई	दिगन्तर के सभी कार्यक्रमों को व्यवस्थात्मक मदद उपलब्ध कराना।	दिगन्तर के सभी कार्यक्रम और उनके कार्यकर्ता।	आईसीईई	21
अन्य कार्यक्रम	DFID's ग्लोबल स्कूल पार्टनर शिप कार्यक्रम	प्राथमिक स्तर पर बच्चों को अलग–अलग संस्कृति पर समझ विकसित करना।	बच्चे और शिक्षक।	डीएफआईडी	-
	शिक्षा समर्थन	सरकारी विद्यालयों/ढांचा में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए अकादमिक मदद करना।	बच्चे, शिक्षक और नोडल केन्द्र प्रभारी।	वॉटिस	08

ICICI Centre for Elementary Education (ICEE)
Department for International Development (DFID)
Wipro Applying Thought In Schools (WATIS)

2.1 दिगन्तर विद्यालय

1988 से प्रारम्भ, दिगन्तर विद्यालय में उच्च माध्यमिक स्तर तक बच्चों को शिक्षित करने के साथ ही शिक्षा में सैद्धान्तिक व व्यवहारिक पहलुओं का अध्ययन करना और उपयुक्त शिक्षण विधियां विकसित करने का काम किया जा रहा है। शिक्षा के स्वरूप और उद्देश्यों पर समुदाय के साथ सतत् संवाद करते हुए विद्यालय के बेहतर संचालन में समुदाय की भागीदारी सुनिश्चित करने पर इस कार्यक्रम में खासतौर से जोर दिया गया है। बच्चों के साथ सतत् शैक्षिक काम करते हुए यह विद्यालय शैक्षिक नीतियों, शैक्षिक सिद्धान्तों को दिशा देने तथा मदद करने की दिशा में भी प्रयासरत् है।

वर्तमान में, जयपुर जिले के सांगानेर पंचायत समिति के ग्रामीण क्षेत्र (खो रेबारियान तथा भावगढ़ बंध्या गांव) में 509 बच्चे प्राथमिक से उच्च माध्यमिक स्तर तक दिगन्तर विद्यालय में शिक्षा अर्जित कर रहे है। इन बच्चों को किसी प्रकार का कोई शुल्क नहीं देना होता है। नियमित रूप से बच्चों के साथ मिलकर सीखने–सिखाने का काम करते हुए विद्यालय में प्राथमिक स्तर तक शिक्षाक्रम एवं शिक्षण सामग्री विकसित की गई है। बच्चों के साथ शिक्षण कार्य के दौरान आवश्यकता अनुरूप अन्य शिक्षण सामग्री का इस्तेमाल करने के लिए शिक्षकों को स्वतंत्रता है। इसलिए दिगन्तर विद्यालय में **NCERT, NIOS, SCERT व अन्य शिक्षण सामग्री** भी उपयोग में ली जाती है।

प्रतिदिन 05–06 किलोमीटर के दायरे से लगभग 28 ढ़ाणियों से बच्चे इन विद्यालयों में आकर अध्ययन करते हैं। इस क्षेत्र में उच्च प्राथमिक स्तर तक विद्यालय संचालित करते हुए यह महसूस किया गया कि क्षेत्र की बालिकाएं आगे के स्तर की शिक्षा अर्जित करने से वंचित रह जाती हैं। इस बात को ध्यान में रखते हुए विशेष रूप से बालिकाओं के लिए दिगन्तर विद्यालय में उच्च माध्यमिक स्तर की कक्षाएं भी आरंभ की गईं। वर्तमान में 48 बालिकाएं माध्यमिक व उच्च माध्यमिक स्तर की पढ़ाई कर रही है। माध्यमिक तथा उच्च माध्यमिक की शिक्षा अर्जित कर लेने पर इन बालिकाओं को NIOS द्वारा प्रमाण पत्र मिलता है।

दिगन्तर विद्यालय में बच्चों को कक्षाओं में बांटने की बजाय उनके स्तरानुकूल समूह बनाए गए हैं। बच्चे प्राथमिक से उच्च माध्यमिक स्तर तक कुल 20 समूहों में पढ़ाई करते है, जिसमें 13 समूह प्राथमिक, 04 समूह उच्च प्राथमिक, 02 समूह माध्यमिक तथा उच्च माध्यमिक में 01 समूह है।

विस्तृत विवरण

कार्यक्षेत्र			समूह					नामांकन			शिक्षक		
पंचायत समिति	गांव	ढ़ाणी	प्राथमिक	उच्च प्राथमिक	माध्यमिक	उच्च माध्यमिक	कुल	बालिकाएं	बालक	कुल	महिला	पुरूष	कुल
01	**02**	**28**	**13**	**04**	**02**	**01**	**20**	**318**	**191**	**509**	**03**	**22**	**25**

विद्यालय संरचना

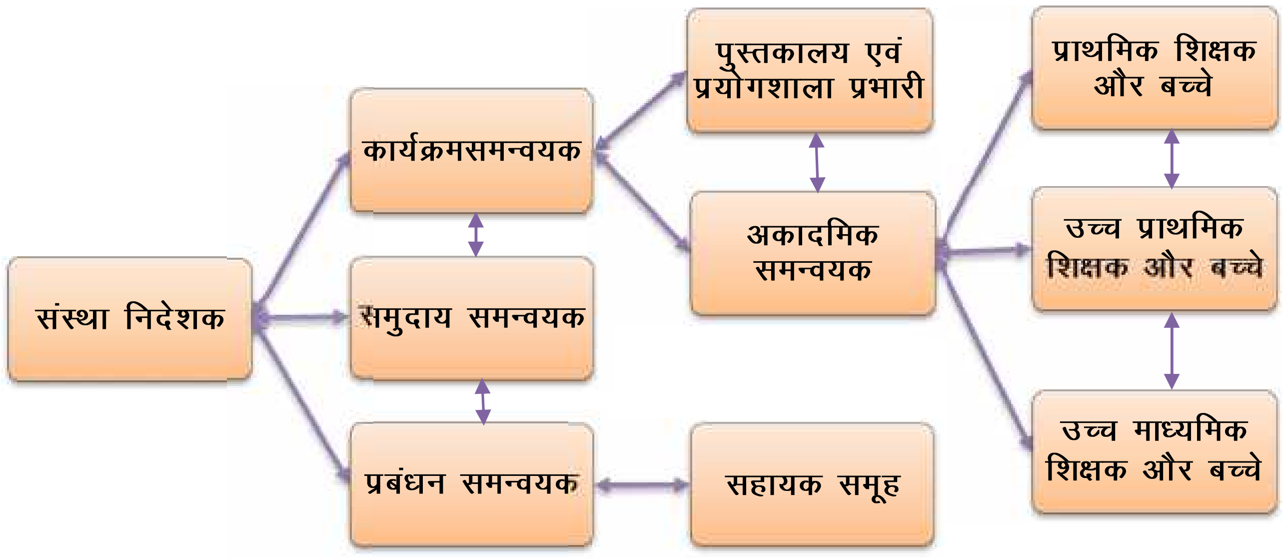

मुख्य गतिविधियां

विगत सत्र में दिगन्तर विद्यालय को भावगढ़ गाँव में स्थापित किया गया और नए स्थान पर विद्यालय को व्यवस्थित करने में भी अतिरिक्त समय और संसाधन लगे। इस सत्र में नए सिरे से शिक्षकों की नियुक्तियां की गई और शिक्षक प्रशिक्षण तथा निरंतर उनके क्षमतावर्द्धन के लिए अकादमिक सहायता समूह का गठन किया गया। नव नियुक्त शिक्षकों को छह माह का सघन प्रशिक्षण देने के अतिरिक्त यह समूह शिक्षकों को विद्यालय में उनके कामकाज में भी निरन्तर सहयोग प्रदान करता है। 12 नये शिक्षक/समन्वयक ने अपनी नई भूमिका अनुसार विद्यालय में काम आरम्भ कर दिया है, लेकिन अब भी पुस्तकालय प्रभारी, उर्दू और गणित शिक्षक की आवश्यकता है। सत्र के प्रारम्भ में अजीमप्रेमजी फाउन्डेशन के साथ प्रत्येक गतिविधि/बजट के विभिन्न पहलु पर विचार–विमर्श कर बजट की रूपरेखा तय की गई।

दिगन्तर विद्यालय में आने वाले बच्चों के घर 6 किलोमीटर तक के दायरे में फैले हैं और इस क्षेत्र में सार्वजनिक यातायात के साधन भी उपलब्ध नहीं है। दिगन्तर विद्यालय की ओर से भी बच्चों को आवागमन का साधन नहीं मिल पाया है। इसके बावजूद बच्चे पैदल चलकर नियमित विद्यालय आते हैं। समुदाय की ओर से विद्यालय से वाहन की व्यवस्था की मांग लगातार की जाती रही है। दूर से आने वाले बच्चों को विद्यालय पहुँचने में काफी दिक्कतों का सामना भी करना पड़ा। इन चुनौतियों के बावजूद विद्यालय में बालमेला, विज्ञान मेला, कला प्रदर्शनी, बच्चों का शैक्षिक भ्रमण, शिक्षकों का शैक्षिक भ्रमण, गणित कार्यशाला और कम्प्यूटर कक्ष इत्यादि गतिविधियों का सफल आयोजन किया गया। इस सत्र में शिक्षा के अधिकार अधिनियम के तहत दिगन्तर विद्यालय को राजस्थान सरकार द्वारा मान्यता भी मिली।

1.0 कार्यशालाएं और प्रशिक्षण

शिक्षा की सैद्वान्तिक समझ को गहरा और व्यापक बनाने के लिए नियमित रूप से शिक्षक कार्यशालाएं आयोजित की गई। ग्रीष्म तथा शीतकाल के अतिरिक्त विषय आधारित कार्यशालाओं में शिक्षा की सैद्धान्तिक समझ, उपयुक्त शिक्षण सामग्री निर्माण तथा शैक्षिक मुद्दों पर संवाद आयोजित किए गए ताकि शिक्षक अपने निर्णय लेने में आत्मनिर्भर बन सके। वर्ष 2011–12 के दौरान आयोजित शिक्षक कार्यशालाओं का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है :

1.1 ग्रीष्मकालीन

03 से 25 जून 2011 तक आयोजित कार्यशाला में विषयों की प्रकृति और शिक्षण उद्देश्यों पर विचार–विमर्श किया गया। कार्यशाला में शिक्षण के तरीके तथा शिक्षण सामग्री विकसित करने का काम भी किया गया। कार्यशाला दौरान की गई महत्त्वपूर्ण चर्चाएं व काम का संक्षिप्त विवरण निम्नलिखित है–

विषय	काम		
शैक्षिक परिप्रेक्ष्य	विद्यालय के स्वरूप को समझना और विद्यालय का वांछनीय स्वरूप बनाना।	ज्ञान व ज्ञान के स्वरूप पर समझ बनाना।	किशोरावस्था के दौरान बच्चों के साथ संवाद को बेहतर बनाने तथा शिक्षण कार्य में आने वाली चुनौतियों पर बातचीत।
पर्यावरण अध्ययन	पर्यावरण अध्ययन के मायने समझना	शिक्षण के औचित्य को समझकर शिक्षण तरीकों पर चर्चा।	पुरानी व नई शिक्षा पद्धति में भिन्नता को समझना।
अंग्रेजी शिक्षण	शिक्षाक्रम विकसित करना।	उपयुक्त शिक्षण सामग्री बनाना।	
अध्ययन	प्राथमिक व उच्च प्राथमिक स्तर पर सभी विषयों में NCERT पुस्तकों का अध्ययन कर समझना।	इसके अनुरूप शिक्षण सामग्री विकसित करना।	
सृजनात्मक	अनुभव लिखना तथा बच्चों में लिखने की आदत विकसित करने के तरीकों पर बातचीत।	कला कार्य करना।	नाटक का चयन व तैयारी कर मंचन करना।
अन्य	विगत सत्र की समीक्षा कर आगामी रूपरेखा तय करना।		

जून कार्यशाला शिक्षकों की उम्मीद पर काफी हद तक कारगर रही। उनके मुताबिक कार्यशाला विविधतापूर्ण तथा सीखने की दृष्टि से उपयोगी रही।

1.2 शीतकालीन

'शिक्षा का अधिकार' के तहत 'सतत् एवं समग्र मूल्यांकन' की प्रक्रियाओं को अपनाने की सिफारिश की गई है। इसने शिक्षकों के कामकाज को दूर तक प्रभावित किया है। शिक्षकों में इसकी बेहतर समझ विकसित हो सके इसे ध्यान में रखते हुए 26 से 31 दिसम्बर तक एक कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें शिक्षा का अधिकार अधिनियम के अनुसार **'सतत् एवं समग्र मूल्यांकन'** के मायने को समझने का प्रयास किया गया। इस कार्यशाला में आरंभ से 06 वर्ष तक विषयवार प्रत्येक वर्ष का शैक्षिक स्थिति विवरण प्रपत्र विकसित किये गए।
कार्यशाला के दौरान प्रतिदिन सभा, खेल–गतिविधि और दैनिक समीक्षा ने काम को दिशा देने के अलावा सम्भागियों में नई ऊर्जा का संचार किया। शिक्षकों की गम्भीरता और आपसी सहयोग के फलस्वरूप सतत् व समग्र मूल्यांकन के लिए अपेक्षा अनुरूप शैक्षिक स्थिति विवरण प्रपत्र विकसित किए गए।

1.3 भाषा (हिन्दी) शिक्षण

शिक्षकों को कक्षा में विषय अध्यापन के दौरान भी कई तरह की चुनौतियों का सामना करना होता है। विभिन्न विषयों के शिक्षण में आने वाली चुनौतियों और विषय अध्यापन में उनके क्षमतावर्द्धन के इरादे से विभिन्न विषयों की कार्यशालाएं भी आयोजित की गई। इसी क्रम में 09 सितम्बर 2011 तथा 17 जनवरी 2012 को भाषा (हिन्दी) शिक्षण पर दो कार्यशालाएं की गई। इन कार्यशालाओं में भाषा (हिन्दी) शिक्षण के लिए उपयोग में ली जा रही शिक्षण सामग्री पर काम के तरीकों को समझा गया। शिक्षकों ने आरंभिक क्षमताओं के लिए गतिविधियों और शिक्षण के दौरान आ रही समस्याओं पर चर्चा कर हल तलाशने का काम किया। इसके अतिरिक्त बच्चों की पढ़ने–लिखने में रुचि बढ़ाने तथा नया सीखने के लिये पढ़ने पर विचार–विमर्श किया गया।

1.4 गणित शिक्षण

इसी क्रम में 03 मार्च 2012 को गणित शिक्षण पर कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला में गणित शिक्षण के दौरान शिक्षकों के सामने आई दिक्कतों के समाधान तलाशने और शिक्षण विधियों पर बेहतर समझ बनाने पर काम किया गया। कार्यशाला में भाग, गुणा आदि संक्रियाओं को सिखाने, भिन्न, भिन्न के प्रकार, मापन तथा क्षेत्रफल इत्यादि गणितीय अवधारणाओं पर समझ बनाने का काम किया गया।

1.5 अंग्रेजी शिक्षण

28 अप्रैल 2011 को आयोजित कार्यशाला में अंग्रेजी शिक्षाक्रम को समझने का काम किया। साथ ही इसके लिए आवश्यक शिक्षण सामग्री तैयार की गई। इस कार्यशाला से शिक्षकों को अंग्रेजी शिक्षण के दौरान आई दिक्कतों के समाधान खोजने में मदद मिली।

1.6 किशोर अवस्था पर संवाद आधारित

किशोरावस्था में होने वाले शारीरिक और मानसिक बदलावों के साथ सामंजस्य बनाने में इस उम्र के बच्चों को काफी मुश्किलें आती है। शिक्षकों और अभिभावकों को भी इस उम्र के बच्चों को समझना और उनके साथ संवाद बना पाना चुनौतीपूर्ण काम लगता है। 14 फरवरी 2012 को आयोजित कार्यशाला में खेजड़ी सर्वोदय ट्रस्ट के डॉ. मीता सिंह के साथ किशोर बच्चों के साथ संवाद के तरीकों पर चर्चा की गई। इस कार्यशाला में किशोर उम्र में होने वाले परिवर्तनों और शरीर की आंतरिक संरचना को समझने पर बातचीत की गई। इस संवाद में समन्वयक समूह और उच्च माध्यमिक स्तर में अध्ययनरत बालिकाओं ने भी भागीदारी की।

1.7 प्राथमिक उपचार आधारित

बच्चों की शिक्षा सुचारू ढंग से होती रहे इसके लिए उनके स्वास्थ्य पर भी ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है। पोषण, टीकाकरण और प्राथमिक उपचार के बारे में जागरूकता इस लिहाज से बहुत महत्वपूर्ण है। प्राथमिक उपचार के तरीकों, बच्चों को कुपोषण से बचाने के उपाय और टीकाकरण के महत्त्व पर खेजड़ी सर्वोदय ट्रस्ट द्वारा कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला में दिगन्तर विद्यालय से 06 साथी शामिल हुए।

1.8 पुस्तक अध्ययन एवं चर्चा

शिक्षकों के लिए बच्चों के साथ पढ़ने लिखने के साथ ही स्वयं अपने पढ़ने के अभ्यास को भी बनाए रखना उनके काम को बेहतर बनाने में मददगार होता है। दिगन्तर विद्यालय के शिक्षकों ने बच्चों के साथ नियमित शिक्षण कार्य के दौरान आने वाली चुनौतियों के बेहतर समाधान तलाशने और शिक्षा में नवाचारों को जानने—समझने के लिए पुस्तक अध्ययन सत्र आयोजित किए। इन सत्रों में शिक्षकों ने पुस्तकों का अध्ययन कर उन पर चर्चा की और उनके केन्द्रीय विचार को समझने का प्रयास किया। पुस्तक अध्ययन के लिए शिक्षकों द्वारा पुस्तक **'लोकतांत्रिक विद्यालय'** तथा **'शिक्षक की पुस्तक भाषा'** पर प्रस्तुतिकरण कर विमर्श किया गया। इससे लोकतंत्र और भाषा शिक्षण पर अपनी समझ को गहरा बनाने में शिक्षकों को मदद मिली।

1.9 शिक्षण सामग्री निर्माण

गणित और भाषा विषय के लिए शिक्षण सामग्री बनाने के लिए 20 जनवरी 2012 को दिगन्तर विद्यालय में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में यहां के शिक्षकों ने बच्चों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए संख्या पद्धति, संक्रियाओं, कहानियों सहित विभिन्न अवधारणाओं को बच्चों को समझाने के लिए विभिन्न कार्डस और चार्टस तैयार किए। इस कार्यशाला में शिक्षकों द्वारा विकसित की गई नई शिक्षण सामग्री को कक्षा–कक्ष में शिक्षण के दौरान उपयोग में लिया गया।

1.10 शिक्षक प्रशिक्षण

इस वर्ष दिगन्तर विद्यालयों में 30 नए शिक्षकों का प्रशिक्षण के लिए चयन किया। यह शिक्षक दिगन्तर विद्यालयों की कार्य संस्कृति और शिक्षा दर्शन पर बेहतर समझ के साथ विद्यालय में बच्चों के साथ सीखने–सिखाने का काम कर सकें इसके लिए 05 सितम्बर 2011 से 04 जनवरी 2012 तक (चार माह) इन नये सम्भागियों का सघन आवासीय प्रशिक्षण आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण में शिक्षा के सैद्धान्तिक परिप्रेक्ष्य को केन्द्र में रखकर शैक्षिक चिन्तन एवं विभिन्न आयामों पर नये संभागियों के साथ विचार–विमर्श किया गया। इस प्रशिक्षण से शिक्षा के प्रति व्यापक एवं विवेक संगत दृष्टिकोण विकसित करने में संभागियों को मदद मिली। साथ ही उनकों संस्था के नजरिये, कार्य प्रकृति को समझने तथा उसमें स्वयं की भूमिका तय कर पाने का अवसर मिला। इस प्रकार चार माह के सघन प्रयासों के बाद दिगन्तर विद्यालय के लिए **नये शिक्षक तैयार** हुए।

2.0 विद्यालय स्तरीय उत्सव व कार्यक्रम

2.1 उत्सव आयोजन

दिगन्तर विद्यालय में बच्चों और शिक्षकों द्वारा निम्न उत्सवों का आयोजन किया गया–

- गांधी जयन्ती।
- स्वतत्रंता दिवस।
- गणतंत्र दिवस।
- अम्बेडकर जयन्ती।

इन उत्सवों में बच्चों की रचनाओं को प्रदर्शित किया गया। इन अवसरों पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने के अलावा बच्चों ने विभिन्न सम–सामयिक मुद्दों पर अपने विचार अभिव्यक्त किए।

2.2 बाल मेला

बाल मेलों का आयोजन दिगन्तर विद्यालय में समय–समय पर किया जाता रहा है। इन मेलों में कला प्रदर्शनी आयोजित करने के साथ ही विद्यालय के बच्चे अलग–अलग समूहों में विभिन्न गतिविधियों में भागीदारी करते हैं। इस वर्ष भी 30 मार्च 2012 को दिगन्तर विद्यालय भावगढ़ में बाल मेला का आयोजन किया गया। इस बाल मेले का मुख्य उद्देश्य था, आस–पास के विद्यालयों के बच्चों का आपस में मिलने और एक–दूसरे से नया सीखने के अवसर मुहैया कराना।

पपेट शो, कहानी सुनाना, कोलाज, चित्रांकन, सृजनात्मक कार्य, कबाड़ से जुगाड़, कशीदा, संगीत, कागज से बनी आकृतियां, मेहन्दी, मांडणे, कॉरपेन्ट्री, विज्ञान के प्रयोग एकाभिनय, मूकाभिनय/नाटक, बंधेज, नृत्य, क्ले तथा खेल इत्यादि की छोटी दुकानें (Stall) इस मेले में लगायी गयी। सभी को अपनी बात कहने तथा गीत, कविता, चुटकला, कहानी आदि प्रस्तुत करने के लिए खुला मंच भी रखा गया।

इस मेले में आस–पास के 05 विद्यालयों (राजकीय व निजी) के बच्चें और शिक्षकों के अलावा बड़ी संख्या में समुदाय के लोग शरीक हुए।

2.3 कला व विज्ञान प्रदर्शनी

दिगन्तर विद्यालय में बच्चे विज्ञान की अवधारणाओं पर मॉडल बनाने और कला के माध्यम से अभिव्यक्त करने में भरपूर रुचि लेते हैं। इसकी एक झलक बच्चों की कलाकृतियों और उनके द्वारा निर्मित विज्ञान मॉडलों को देखने पर मिलती है जिन्हें साझा करने, दूसरो की राय जानने और बच्चों की कल्पनाशक्ति के विस्तार के मकसद से इस वर्ष भी एक प्रदर्शनी आयोजित की गई।

क्र.	प्रदर्शनी	दिनांक	स्थान
1.	कला	24 फरवरी 2012	भावगढ़ बंध्या
2.	विज्ञान	21 मार्च 2012	भावगढ़ बंध्या

प्रदर्शित कलाकृतियों में बच्चों की मेहनत, लगन और अपने कार्यों को बेहतरीन ढंग से अंजाम देने की झलक ने आगुन्तकों को आकर्षित किया। विज्ञान के सिद्धान्त पर आधारित कॉर्नर में लगभग 250 से भी अधिक मॉडल/गतिविधियां प्रदर्शित की गई। 'जादुई नल' सबके कौतुहल का केन्द्र रहा।

विद्यालय में इस प्रदर्शनी का आयोजन बड़े स्तर पर किया गया। जिसमें समुदाय से भी काफी उपस्थिति रही। इसके अलावा दिगन्तर कार्मिक, निजी व सरकारी विद्यालयों के बच्चों व शिक्षकों ने भागीदारी कर बच्चों का उत्साहवर्द्धन किया।

2.4 बाल फिल्म प्रदर्शन

फिल्म एक ऐसा माध्यम है जो बच्चों बड़ों सभी को आकर्षित करता है। फिल्म के द्वारा चित्रों, घटनाक्रम को समझने और विश्लेषण करके अपनी समझ बना पाने में मदद मिलती है। खासतौर से इन फिल्मों पर बच्चों और शिक्षकों के समूह में चर्चा बच्चों को अपने विचारों को व्यक्त करने का अवसर देती है। दिगन्तर विद्यालय के बच्चों ने इस वर्ष जो फिल्में देख कर उन पर बातचीत की वे इस प्रकार हैं–

- डॉक्यूमेंट्री फिल्म (गांधी पर आधारित)
- जुरासिक पार्क
- चार्ली चैपलीन
- Apico Lipto Computer

2.5 बाल स्वास्थ्य

बच्चों के बेहतर विकास के लिए उनकी शिक्षा के साथ ही उनके स्वास्थ्य पर भी खासतौर से ध्यान दिए जाने की जरूरत होती है। दिगन्तर के बच्चों के स्वास्थ्य की स्थिति को जानने के लिए 'खेजड़ी सर्वोदय जनरल हेल्थ आई केयर सेन्टर' की मदद से विद्यालय के प्रत्येक बच्चे का स्वास्थ्य परीक्षण कर स्वास्थ्य कार्ड बनाया गया। इस कार्ड में बच्चे की स्वास्थ्य संबंधी बातों का ब्यौरा दर्शित है। इन स्वास्थ्य कार्ड का विश्लेषण करने पर पाया गया कि बच्चों के वजन, लम्बाई, खून की कमी और आँखों को लेकर सावधानी बरतने की ज्यादा जरूरत है। यह स्वास्थ परीक्षण समुदाय में बच्चों के स्वास्थ्य के संबंध में जागरूकता लाने में भी मददगार साबित होता है।

3.0 शैक्षिक भ्रमण

शैक्षिक भ्रमण बच्चों को मिल कर सीखने के साथ ही उनके पारस्परिक संबंधों को बेहतर बनाने और उनमें सहयोग की भावना विकसित करने में भी मददगार होते हैं। इन भ्रमण के माध्यम से वे न सिर्फ नए स्थानों के बारे में जानते हैं बल्कि उनका दुनिया को देखने का नजरिया भी बदलता है। दिगन्तर विद्यालयों के बच्चे इस वर्ष प्राथमिक, उच्च प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक स्तर के समूह में अलग–अलग स्थानों पर शैक्षिक भ्रमण पर गए। इन स्थानों का चयन बच्चों के आयु समूह और उनकी जानकारियों के स्तर को ध्यान में रखते हुए किया गया।
चिड़िया घर और जंतुआलय में विभिन्न तरह के पशु–पक्षियों को देखकर प्राथमिक स्तर के बच्चे काफी खुश हुए। उच्च प्राथमिक स्तर के बच्चों ने भास्कर प्रिटिंग प्रेस, सरस डेयरी और अक्षयपात्र फाउण्डेशन की कार्यप्रणाली को समझने का काम किया।

माध्यमिक व उच्च माध्यमिक स्तर के बच्चों ने ऐतिहासिक स्थल भानगढ़ किले की बनावट, कारीगरी को देखा और मन्दिरों में मूर्तियां न होने के संदर्भ में कई सवाल भी पूछे।

4.0 बाल पंचायत गठन

बाल पंचायत सरीखी गतिविधियां बच्चों का निर्णय प्रक्रिया की पेचीदगियों से परिचय कराती हैं और उन्हें निर्णय लेना सीखने में मदद भी करती हैं। इसके साथ ही बाल पंचायत बच्चों को अपने विद्यालय पर ज्यादा अधिकार महसूस करने में भी सहायता करती हैं। दिगन्तर विद्यालय में व्यवस्था संबंधी वे सभी निर्णय जिनसे बच्चे प्रभावित होते हैं, उनमें बच्चों की राय को महत्त्व देने एवं उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बाल पंचायत का गठन किया गया। इस बाल पंचायत का अपना 'संविधान' भी विकसित किया गया। बच्चे बाल पंचायत के माध्यम से अपने विद्यालय की समस्याओं के समाधान में ज्यादा सक्रिय भागीदारी करते हैं।

5.0 प्रकाशन

5.1 न्यूज लैटर

विद्यालयों में बच्चों के साथ सीखने–सिखाने की प्रक्रिया में रोजाना कई तरह के अनुभव होते हैं। बच्चों के साथ शैक्षिक काम करते हुए अर्जित इन अनुभवों को आपस में बांटने, अलग–अलग समूह और विद्यालयों में काम करने के दौरान निरन्तर संवाद कायम रखने, एक–दूसरे से सीखने और मदद करने के उद्देश्य से न्यूज लैटर (द्विमासिक) प्रकाशित किया जाता है। इस सत्र में **इस न्यूज लैटर** के तीन अंक (अंक 42, 43 व 44 वां) प्रकाशित हुए। इस न्यूज लैटर ने शिक्षकों के बीच संवाद की कमी को मिटाने व दूरी को कम कर शैक्षिक संवाद बनाये रखने में मदद की है।

5.2 बातूनी

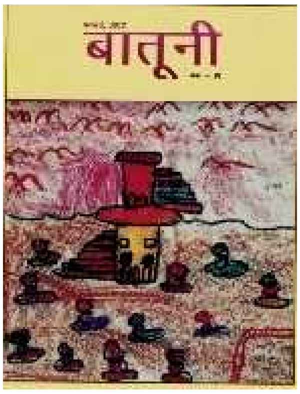

दिगन्तर विद्यालय में बच्चे खुद को अभिव्यक्त कर सकें इसके लिए उन्हें विविध अवसर उपलब्ध कराए जाते हैं। 'बातूनी' इसी क्रम में एक ऐसा प्रयास है जो बच्चों को अपनी रचनात्मक क्षमताओं को व्यक्त करने का अवसर देती है। यह बच्चों के लिए तथा बच्चों द्वारा निर्मित पत्रिका है। पत्रिका बच्चों को अपनी कल्पनाओं को व्यक्त करने, रचनात्मकत लेखन करने और उसे बेहतर बनाने का अवसर देती है। इसका मासिक प्रकाशन किया जाता है। इसमें बच्चों द्वारा

निर्मित चित्र, कहानियां, बातचीत का अंश, विभिन्न अनुभव, पहेलियां, गीत–कविताएं और अपनी बात इत्यादि रचनाएं प्रकाशित की जाती हैं। इस सत्र् में कुल 04 अंक प्रकाशित हुए। मार्च में बातूनी का **82 वां अंक** प्रकाशित किया गया। बच्चों की रुची तथा अपेक्षा के अनुरूप बातूनी के पृष्ठों को अब रंगीन प्रकाशित किया जाने लगा है।

6.0 समुदाय सहयोग एवं भागीदारी

6.1 संवाद और बैठकें

जिस समाज के बीच विद्यालय संचालित किया जाता है उस सामज की विद्यालय के साथ सक्रिय भागीदारी विद्यालय के बेहतर संचालन में मददगार होती है। दिगन्तर अपने आस–पास के समुदाय के साथ निकट संवाद बनाए रखने में यकीन रखता है। विद्यालय की प्रगति को साझा करने और मिलकर समस्याओं का समाधान तलाशने के लिए इस सत्र में कुल 32 बार विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों के अभिभावकों के साथ बैठकें और विद्यालय प्रबंधन समिति के साथ 05 बैठकें आयोजित की गई। 11 ढ़ाणियों में महिला अभिभावकों के साथ बैठक कर बच्चों के समय पर विद्यालय आने तथा अन्य समस्याओं के संदर्भ में चर्चा की गई। इसके अलावा शिक्षकों द्वारा नियमित रूप से अभिभावकों के घर जाकर बच्चों की प्रगति के बारे में उन्हें जानकारी दी जाती है और विद्यालय की अन्य गतिविधियों के संबंध में बातचीत की जाती रही है। इस प्रकार नियमित मिलने और बैठकों से अभिभावक विद्यालय की प्रगति व समस्याओं से अवगत होते हैं। शिक्षकों को भी अभिभावकों को समझने और विद्यालय के बारे में उनकी राय जानने का अवसर मिलता है।

6.2 विद्यालय प्रबंधन समिति का गठन

शिक्षा के अधिकार अधिनियम के अनुरूप दिगन्तर विद्यालय में विद्यालय प्रबंधन समिति गठित है जिसमें कुल 15 सदस्य चयनित हैं। इस सत्र में 05 बार विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्यों ने बैठक आयोजित की। इन बैठकों में विद्यालय के लिए बातचीत करने, समस्या समाधान के रास्तें तलाशने और विकास के लिए समिति ने सक्रिय भूमिका निभायी है। विद्यालय के लिए भवन निर्माण, शिक्षा के अधिकार कानून के मानकों के अनुरूप विद्यालय को स्थानीय प्रशासन से मान्यता लेने और अन्य व्यवस्थाएं कर पाने में भी विद्यालय प्रबंधन समिति ने सक्रिय भूमिका निभाई।

6.3 समुदाय भागीदारी

अभिभावक एवं समुदाय के लोग समय–समय पर विद्यालय आकर शिक्षकों से विद्यालय संबंधी बातचीत करते है। विद्यालय उत्सव व राष्ट्रीय पर्व पर समुदाय की काफी संख्या में भागीदारी रहती है। इन कार्यक्रमों में विद्यालय की प्रगति को जानने, अपनी राय देने के अलावा समुदाय ने बच्चों को मिठाई वितरण के लिए 3000 रूपये भी दिए।

7.0 अन्य व्यक्तियों एवं संस्थाओं के साथ संवाद

अलग–अलग समय पर विभिन्न संस्थाओं से व्यक्ति अपने उद्देश्यों के साथ दिगन्तर विद्यालय देखने और समझने आते है। इस सत्र में लगभग **38 संस्थाओं से 147 मेहमान** विद्यालय में आए। इन्होंने विद्यालय में अवलोकन, बच्चों–शिक्षकों से बातचीत और समन्वयक के साथ बैठक कर शिक्षण विधा को समझने का प्रयास किया।

8.0 उपलब्धियां

- वार्षिक योजना मुताबिक गतिविधयों का सफल आयोजन कर पाना।
- शिक्षक प्रशिक्षण मॉड्यूल तैयार कर नये शिक्षकों का प्रशिक्षण का आयोजन होना।
- दिगन्तर विद्यालय के लिए नये शिक्षकों का चयन और अकादमिक समन्वयक समूह का गठन होना।
- काफी वर्षों से प्रयास के बाद अंग्रेजी शिक्षण के लिए शिक्षाक्रम विकसित होना।
- दिगन्तर भावगढ़ विद्यालय में समृद्ध पुस्तकालय, प्रयोगशाला एवं कम्प्यूटर कक्ष स्थापित होना।
- शिक्षा के अधिकार के तहत् राज्य सरकार द्वारा दिगन्तर विद्यालय को मान्यता प्रदान करना।

9.0 चुनौतियां

- नियमित तलाश और विज्ञापन के बावजूद गणित शिक्षक, उर्दू शिक्षक तथा पुस्कालय प्रभारी का नहीं मिल पाना।
- कुछ संभागियों द्वारा चार माह का आवासीय प्रशिक्षण पूरा करने के बाद कार्यमुक्त होकर चले जाना।
- बच्चों के घर व विद्यालय के बीच दूरी अधिक होने के कारण बच्चों को विद्यालय आने–जाने में दिक्कत होना। इससे बच्चों की उपस्थिति व समय पर विद्यालय आना प्रभावित रहा।
- उच्च प्राथमिक तथा उच्च माध्यमिक स्तर पर शिक्षाक्रम विकसित न हो पाना।

2.2 अकादमिक सन्दर्भ इकाई (TARU)

शिक्षा और समाज के विकास में प्रयासरत् सरकारी–गैर सरकारी संस्थानों तथा दिगन्तर द्वारा संचालित कार्यक्रमों में जरूरत मुताबिक अकादमिक मदद मुहैया करवा पाने के रूप में **तरु (अकादमिक सन्दर्भ इकाई)** की संकल्पना उभर कर सामने आयी। शुरुआत से ही तरु शिक्षा के आधारभूत मुद्दों पर चिंतन, विभिन्न कार्यक्रमों का विकास, शैक्षिक शोध, शिक्षक प्रशिक्षण, शैक्षिक कार्यशालाएं और शिक्षण सामग्री निर्माण का काम करता रहा है। तरु के उद्देश्यों में यह संकल्पित है कि शिक्षा की एक ऐसी दृष्टि विकसित की जाय जिसको व्यवहार में लागू करके उससे जनित ज्ञान पर पुर्नचिन्तन करते हुए शिक्षा में नई समझ विकसित की जा सके। तरु में अभी विविध शैक्षणिक योग्यता और शैक्षिक अनुभव वाले 17 सदस्यों का समूह है। इसकी संरचना में निदेशक, कार्यकारी निदेशक, वरिष्ठ एसोसिएट फैलो, एसोसिएट फैलो, सहायकफैलो, शोधकर्ता, प्रशासनिक व कार्यालय सहायक शामिल है।

सत्र 2011–12 के दौरान तरु द्वारा किये गए मुख्य कार्यों का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है–

1.0 'शिक्षा की आधारभूत समझ' कार्यक्रम

यह कार्यक्रम सम्भागियों को प्राथमिक शिक्षा से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चिन्तन करने, शिक्षा के विस्तृत सैद्धान्तिक ढांचा को समझने तथा उस पर सुसंगत मत बना पाने का अवसर मुहैया कराता है। वर्ष 2004 से संचालित यह कार्यक्रम शिक्षा के उद्देश्यों एवं प्रकृति के बारे में गहरी समझ बनाने की सामर्थ्य रखता है, जो किसी भी लोकतांत्रिक समाज के लिए लाजमी है। कार्यक्रम विद्यालय की धारणा, शिक्षणशास्त्रीय विधाओं, शिक्षक की भूमिका, शिक्षा में शोध, शिक्षा नीतियों, ज्ञान–मीमांसा इत्यादि पर चिन्तन कर संभागियों को अपना विवेक संगत मत बनाने के लिए एक मंच उपलब्ध कराता है।

यह कार्यक्रम संभागियों की प्रतिक्रिया तथा उनकी जरूरत को समझकर बदलाव के लिए तत्पर भी रहता है। परिणामस्वरूप वर्ष 2010 से संभागियों के लिए हिन्दी में इसके आयोजन की शुरुआत हुई है। अध्ययन सामग्री के लिए इसमें नीति संबंधी दस्तावेजों को भी शामिल किया जाता है ताकि उन पर चिन्तन एवं प्रतिबिम्बित (Reflect) किया जा सके। इस तरह यह कार्यक्रम अनुशासनों (Disciplines) और भारतीय शिक्षा की वर्तमान समझ के साथ संवाद स्थापित करता है।

यह कार्यक्रम चार कार्यशालाओं में विभाजित है जिसमें लगभग एक माह के अन्तराल पर कार्यशालाएं (प्रति कार्यशाला 12 दिवस) आयोजित की जाती है। संभागियों द्वारा दिगन्तर विद्यालयों का अवलोकन कर शिक्षा

के सिद्धान्तों के व्यावहारिक पक्ष को समझना इस कार्यक्रम का हिस्सा है। इस वर्ष सातवें कोर्स के अन्तर्गत अगस्त, 2011 से फरवरी, 2012 के दौरान चार कार्यशालाओं में निम्न मॉड्यूल पर विचार–विमर्श हुआ–

कार्यशाला	काम
प्रथम	• शिक्षा का दार्शनिक परिप्रेक्ष्य • शिक्षा का समाजशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य • सीखने का परिप्रेक्ष्य
द्वितीय	• इंसानी समझ एवं शिक्षाक्रम • भाषा की प्रकृति एवं शिक्षणशास्त्र • विज्ञान की प्रकृति एवं शिक्षणशास्त्र
तृतीय	• गणित की प्रकृति एवं शिक्षणशास्त्र • सामाजिक विज्ञान की प्रकृति एवं शिक्षणशास्त्र • इतिहास की प्रकृति एवं शिक्षणशास्त्र
चतुर्थ	• शोध एवं आकलन • शिक्षक शिक्षा • शिक्षा में मुद्दे

वर्ष 2011–12 में देशभर की अलग–अलग जगह से 23 संभागियों ने इस कार्यक्रम में भागीदारी की। जिनमें 12 संभागियों को वॉटिस द्वारा स्कॉलरशिप दी गई जो कार्यक्रम की एक नियमित विशेषता है। इन कार्यशालाओं को साकार करने में तरु सदस्यों के अतिरिक्त विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं संगठनों के संकाय सदस्यों ने मदद की, इनमें से कुछ नाम है :– प्रोफेसर विजय वर्मा– दिल्ली विश्वविद्यालय, प्रोफेसर रमाकांत अग्निहोत्री– दिल्ली विश्वविद्यालय, प्रोफेसर रोहित धनकर– अजीमप्रेमजी विश्वविद्यालय, प्रोफेसर अमन मदान– अजीमप्रेमजी विश्वविद्यालय, प्रोफेसर अनिल सेठी– एनसीईआरटी, प्रोफेसर हरिकेश बहादुर सिंह– बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय और मनोज कुमार– रूम टू रीड, इंडिया।

2.0 एपीएफ[2] सहयोग एवं योजना

तरु और एपीएफ की साझा सहमति के फलस्वरूप अजीमप्रेमजी विश्वविद्यालय, अजीमप्रेमजी फाउंडेशन और विभिन्न राज्यों में स्थापित अजीमप्रेमजी फील्ड संस्थानों द्वारा आयोजित विभिन्न गतिविधियों में तरु द्वारा सहयोग प्रदान किया जायेगा। इसके अलावा दोनों की रुचि व सहमति के आधार पर शिक्षा की आधारभूत समझ को विकसित करने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों, कार्यशालाओं और गतिविधियां का मिलकर आयोजन किया जायेगा।

इसके तहत् सत्र 2011–12 में तरु द्वारा किये मुख्य काम का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है :

2.1 एपीयू[3] के लिए सहयोग

एपीयू द्वारा तीन चरणों में **'शिक्षा दर्शन शास्त्र'** पर परिसंवाद की श्रृंखला (प्रदेश, राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर) आयोजित की जायेगी। इसके अतिरिक्त सुविख्यात शिक्षा शास्त्री डेविड ऑसबरा द्वारा शिक्षा क्षेत्र में किये गए काम पर परिसंवाद आयोजन करने की योजना भी है। क्योंकि एपीयू के लिए **'शिक्षा दर्शनशास्त्र'** पर कार्य करना तरु के काम का हिस्सा है इसलिए तरु सक्रिय तौर पर इन परिसंवादों के आयोजन तथा इसके लिए संदर्भ सामग्री संकलन में शामिल रहा है।

2.2 यूआरसी[4] के लिए

- **'कोजिटैशन' कार्यक्रम विकास** : एपीएफ यूआरसी के लिए कोजिटैशन कार्यक्रम की संकल्पना और विकास में तरु की सक्रिय सहभागिता रही है। इस सहभागिता के तहत् विद्यालय और शिक्षा, इंसान का सीखना, शिक्षण और शिक्षाक्रम पर आधारित चार मॉड्यूल विकसित किये गए ताकि कुछ विचारों, उत्तेजक आलेखों एवं पेपर की मदद से यूआरसी सदस्यों के साथ ऐसे मुद्दों पर संवाद हो, जो सैद्धान्तिक एवं व्यवहारिक समझ के मध्य तालमेल बैठाते हुये पुख्ता समझ का निर्माण कर सकें।

  इन चार कार्यशालाओं की संकल्पना और आयोजन में तरु शामिल रहा है। संभागियों को प्रतिक्रिया के लिए आलेख प्रेषित किए गए ताकि उन पर फीडबैक प्राप्त कर स्वस्थ चर्चाएं की जा सके। इस प्रक्रिया के बाद चीजों पर गहरी समझ विकसित करने के लिए दस दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

---
[2] Azim Premji Foundation (APF)
[3] Azim Premji University (APU)
[4] University Resource Centre (URC)

- **केंद्रित समूह (Focus groups) के साथ कार्यशाला** : सामाजिक विज्ञान की प्रकृति एवं शिक्षण शास्त्र पर नए मॉड्यूल विकसित करने के लिए दिगन्तर में कार्यशाला आयोजित की गई। जिसमें तरु सदस्यों ने भागीदारी की। इस कार्यशाला के संचालन में अजीमप्रेमजी विश्वविद्यालय से प्रोफेसर अमन मदान ने मदद की। इसके अलावा भाषा, गणित, विज्ञान एवं सामजिक विज्ञान विषयों में कार्य करने के लिए ई–समूहों का निर्माण किया। इन सभी समूह में तरु, यूआरसी और एपीएफ के फील्ड इकाई के सदस्यों को शामिल किया गया। तरु द्वारा समाजिक विज्ञान और यूआरसी द्वारा भाषा, गणित, विज्ञान समूह के निर्देशन की जिम्मेदारी थी। तरु के सभी सदस्यों द्वारा विभिन्न ई–समूहों की परिचर्चा में भागीदारी की गई।

  विद्याभवन सोसाईटी (उदयपुर) द्वारा 'शिक्षा से परिचय' विषय पर आयोजित कार्यशाला में तरु से तीन सदस्यों द्वारा हिस्सेदारी की गई जिसमें शिक्षा की मूल अवधारणाओं पर सारभूत समझ बनाने की कोशिश की गई।

- **'प्रोब' सेमीनार** : यूआरसी द्वारा अपने सदस्यों की अभिरूचि अनुसार विषय विशेष पर गहन अध्ययन एवं परिचर्चा के अवसर मुहैया कराने के लिए परिसंवाद श्रृंखला की संकल्पना तथा आयोजन की योजना बनायी। इसके तहत् तरु साथियों ने बैंगलोर में आयोजित प्रथम प्रोब सेमीनार में भागीदारी की। जिसमें भाषा, विज्ञान, भूगोल और गणित में विभिन्न व्यक्तियों द्वारा पेपर प्रस्तुत कर उन पर चर्चा की गई।

- **एप्रोच पेपर के विकास में मदद** : अजीमप्रेमजी यूनिवर्सिटी के साथ मिलकर यूआरसी द्वारा अंग्रेजी भाषा शिक्षण पर बैठक बैंगलोर में आयोजित की गई जिसमें अंग्रेजी भाषा शिक्षण के एप्रोच पेपर की संकल्पना पर चर्चा हुई। इस पेपर की संकल्पना एवं विकास में तरु की सक्रिय भूमिका रही।

- **शैक्षिक परिचय के लिए अल्पकालिक अवधि कोर्स के विकास में मदद** : यूआरसी ने कोजिटेशन कार्यक्रम के अनुभवों के आधार पर फील्ड सदस्यों के लिए अल्पकालिक अवधि कोर्स की योजना विकसित की। तरू सदस्यों द्वारा इसके मॉड्यूल के विकास और कोर्स के आयोजन में मदद की गई। इसके अंतर्गत **'स्कूल एवं शिक्षा'**, **'शिक्षाक्रम'** तथा **'सीखना'** पर मॉड्यूल विकसित किए गए।

- **सामग्री निर्माण कार्यशाला में भागीदारी** : अपने फील्ड सदस्यों के लिए यूआरसी द्वारा विषय आधारित कार्यशालाओं की श्रृंखला के तहत् एक कार्यशाला को आयोजन किया गया। कार्यशाला के लिए उदयपुर में आयोजित बैठक में तरु की सक्रिय सहभागिता रही जिसमें इतिहास, भूगोल और सामाजिक विज्ञान विषय की विस्तृत योजना और दस्तावेज विकसित करने की जिम्मेंदारी तरु द्वारा ली गई।

3.0 सैन्टर फॉर टीचर नॉलेज (सीटीके[5]) कार्यक्रम

पॉल हैम्लेन फांउडेशन, लंदन से वित्तपोषित सैन्टर फॉर टीचर नॉलेज (सीटीके) कार्यक्रम दिसम्बर 2011 से

संचालित है। शिक्षा के सार्वभौमिकरण और गुणवत्ततापूर्ण शिक्षा के संदर्भ में शिक्षक शिक्षा एक महत्त्वपूर्ण क्षेत्र है जिसमें वर्तमान संदर्भ का ध्यान रखते हुए अध्ययन करना और दखल की योजना बनाना बहुत ही जरूरी है। अतः सीटीके कार्यक्रम के अंतर्गत यह अध्ययन शिक्षक प्रशिक्षक के नजरिये से यह समझने की कोशिश है कि 'शिक्षक को क्या जानना चाहिये?' और इसको वो 'कैसे सीखते हैं?' इस कार्यक्रम को इसके उद्देश्यों को हासिल करने के लिए छहः वर्ष के कार्यकाल में संकल्पित किया गया है जिसके पहले वर्ष में एक अध्ययन के द्वारा यह समझा जायेगा कि 'शिक्षक ज्ञान' और 'शिक्षक के सीखने' को साहित्य एवं फील्ड में कैसे समझा जाता रहा है और किस तरह से समझा जाना चाहिए।

इस तरह से कार्यक्रम का पहला वर्ष एक परिचयात्मक अध्ययन के लिए समर्पित है जिसके एक हिस्से में यह समझने की कोशिश है कि भारतीय शिक्षक प्रशिक्षण संस्थानों में 'शिक्षक ज्ञान' एवं 'शिक्षक शिक्षा' के संवाद की प्रकृति किस तरह की है और दूसरे हिस्से में उपलब्ध साहित्य का एनोटेशन करना शामिल है।

नवम्बर 2011 से मार्च 2012 दौरान कार्यक्रम तहत् निम्न गतिविधियां की गई–

3.1 टीम प्रशिक्षण

सीटीके कार्यक्रम के लिए एक टीम गठित की गई और इसी टीम निर्माण प्रक्रिया के दौरान ही सदस्यों ने व्यवस्थित तरीके से शिक्षक शिक्षा और शिक्षक ज्ञान पर उपलब्ध साहित्य का अध्ययन किया। इस प्रक्रिया ने शिक्षक ज्ञान, शोध एवं शोध प्रविधि के बारे में टीम सदस्यों के मध्य साझी समझ विकसित करने में अहम भूमिका अदा की। इस दौरान दो आलेखों के माध्यम से एनोटेशन के प्रारूप को भी समझा गया।

3.2 राज्य के शैक्षिक उद्यमों तक पहुंच

शिक्षक शिक्षा में बेहतरी का रास्ता खुल पाए, इसके लिए कार्यक्रम के उद्देश्य और संकल्पना को शिक्षा तंत्र के विभिन्न उद्यमों से शेयर करना शामिल है। इसी मकसद से 12 राज्यों के सर्वशिक्षा अभियान निदेशक/कमीशनर एवं एससीईआरटी निदेशक/प्रधानाचार्य से मुलाकात की गई ताकि उनसे कार्यक्रम शेयर कर उन्हें सलाहकार के तौर से कार्यक्रम में शामिल किया जा सके। इन सभी के साथ बातचीत अच्छी रही। अधिकांश ने इस विचार की सराहना की।

---

[5] Centre for Participatory Research and Action for Teacher Knowledge

3.3 विशेषज्ञ समिति का गठन व प्रपोजल शेयरिंग

इस कार्यक्रम के लिए क्रियात्मक शोध की प्रवृत्ति का ध्यान रखते हुए पांच सदस्यों की एक समिति गठित की गई ताकि इसके पहले वर्ष में किये जा रहे अध्ययन पर फीडबैक दिया जा सके और इसकी वैधता के दायरे को बढ़ाया जा सके। इस विशेषज्ञ समिति के सदस्य हैं : प्रोफेसर रोहित धनकर (अजीमप्रेमजी विश्वविद्यालय), प्रोफेसर कृष्ण कुमार (दिल्ली विश्वविद्यालय), प्रोफेसर पद्‌मा सारंगपाणि (टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान), प्रोफेसर पूनम बत्रा (दिल्ली विश्वविद्यालय) और मनोज कुमार (रूम टू रीड इंडिया)। विशेषज्ञ समिति की पहली बैठक दिल्ली में आयोजित की गई जिसमें समिति सदस्यों द्वारा अध्ययन के प्रपोजल और प्रविधि के चयन के संदर्भ में सुझाव/मत दिये। विशेषज्ञ समिति के फीडबैक एवं सुझाव अनुसार इस अध्ययन का रिसर्च प्रपोजल विकसित किया गया जिसमें इसकी प्रविधि आदि को भी शामिल किया गया। इसके साथ आंकडों के संकलन के लिए प्रारूप भी विकसित किये गये। इन दोनों दस्तावेजों को विशेषज्ञ समिति सदस्यों के साथ साझा किया गया।

3.4 कक्षा अवलोकन व साक्षात्कार हेतु अनुमति

इस अध्ययन के तहत् तीन राज्यों (दिल्ली, राजस्थान और मध्य प्रदेश) से सेंपल के तौर पर एक–एक डाइट, निजी शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान और सेवाकालीन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के अवलोकन, वहां के शिक्षक प्रशिक्षकों के नजरिए को समझने के लिए उनके साथ साक्षात्कार और सभी 12 हिंदी भाषी राज्यों में छात्रों द्वारा प्रयोग में लाई जाने वाली अध्ययन सामग्री का अध्ययन करना शामिल है। इस अध्ययन के दौरान तीनों राज्यों में शिक्षक प्रशिक्षण संस्थानों में कक्षा अवलोकन और शिक्षक प्रशिक्षक के साक्षात्कार आयोजित करने के लिए संबंधित सक्षम अधिकारी द्वारा एक औपचारिक अनुमति की जरूरत हुई। राजस्थान में सर्वशिक्षा अभियान तथा दिल्ली में एससीईआरटी द्वारा यह अनुमति दी गई। मध्यप्रदेश में अनुमति के लिये प्रयास सतत् जारी हैं। तरु सदस्यों द्वारा डेटा संकलन की अनुमति के लिये इन संस्थाओं में जाकर बातचीत की गई जिसके परिणामस्वरूप इन संस्थानों से सहर्ष अनुमति मिल पायी।

3.5 एनोटेटिड बिबलियोग्राफी तैयार करना

भारतीय संदर्भ में 'शिक्षक ज्ञान' और 'शिक्षक के सीखना' पर कुछ ही व्यक्तियों द्वारा प्रासंगिक पेपर और आलेखों के अलावा ज्यादा सामग्री उपलब्ध नही है। इसलिये अध्ययन में एनोटेशन को एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया गया। इस दौरान 100 के करीब पुस्तकें, मॉड्यूल, नीति दस्तावेज, पेपर, आलेख, शोध रिपोर्ट आदि का संकलन किया गया। उपलब्ध सामग्री की मदद से कार्यक्रम द्वारा हिन्दी एवं अंग्रेजी में इन दो मुद्दों पर एनोटेटिड बिबलियोग्राफी तैयार करने का काम जारी है।

3.6 सन्दर्भ सामग्री संकलन

भारत में शिक्षक शिक्षा की 'शिक्षक ज्ञान' और 'शिक्षक के सीखने' के बारे में अपनी एक समझ है जिसे अभी तक बहुत स्पष्ट रूप से जांचा व समझा नही गया है। कार्यक्रम के तहत् 12 हिन्दी भाषी राज्यों में शिक्षक शिक्षा के लिये अधिकारिक तौर पर प्रयोग में ली जा रही सामग्री (सेवापूर्व एवं सेवाकालीन) का विश्लेषण किया जाना है ताकि इससे शिक्षक ज्ञान एवं शिक्षक के सीखने के बारे में मान्यताओं को समझा जा सके। इसके पहले दौर में राज्य स्तर पर सेवापूर्व एवं सेवाकालीन शिक्षक शिक्षा के लिये प्रयोग में ली जा रही सामग्री को चिन्हित एवं संकलित किया गया है।

4.0 चुनौतियां

तरु विभिन्न गंभीर दबावों और अनिश्चिताओं के चलते काम करता रहा है। वित्तीय सहयोग की अनिश्चिता की वजह से तरु सदस्यों में एक असुरक्षा की स्थिति पैदा होती है। पिछले कुछ वर्षों के दौरान काफी संख्या में टीम सदस्यों का छोड़ के चले जाना या उपयुक्त व्यक्ति नहीं मिल पाने के कारक बतौर यह परिदृश्य समझ में आता है। इस वर्ष भी चार सदस्य तरु टीम से चले गए है। काफी कोशिशों के बावजूद तरु में अभी भी प्रस्तावित पद अनुसार सभी सदस्य नहीं है। तरु में उपलब्ध न्यूनतम मूलभूत सुविधाओं में सुधार की काफी संभावनाएं मौजूद है।

2.3 शिक्षा विमर्श

शिक्षा विमर्श हिन्दी भाषा में प्रकाशित द्विमासिक पत्रिका है जो 1998 से हिन्दी पाठकों के लिए शिक्षा में साहित्य के अभाव को कम करने और गुणवत्तापूर्ण वैचारिक साहित्य मुहैया कराने का काम कर रही है। शिक्षा विमर्श नीतिगत विषयों, तात्कालिक सरोकार के विषयों और सामयिक शैक्षिक बहसों को हिन्दी पाठकों के बीच ले जाने का काम करती है। शिक्षा में सिद्धान्त और व्यवहार के बीच सेतु कायम करने के लिए पत्रिका सतत् प्रयासरत है।

सत्र 2011–12 दौरान 06 अंक प्रकाशित हुए हैं जिनमें 05 अंक सामान्य और एक अंक **"अध्यापक"** विशेषांक के रूप में प्रकाशित किया गया। इस विशेषांक के अतिथि संपादक प्रो. कृष्ण कुमार थे और इस अंक में करीबन 16 नए लेखकों ने अपना योगदान दिया।

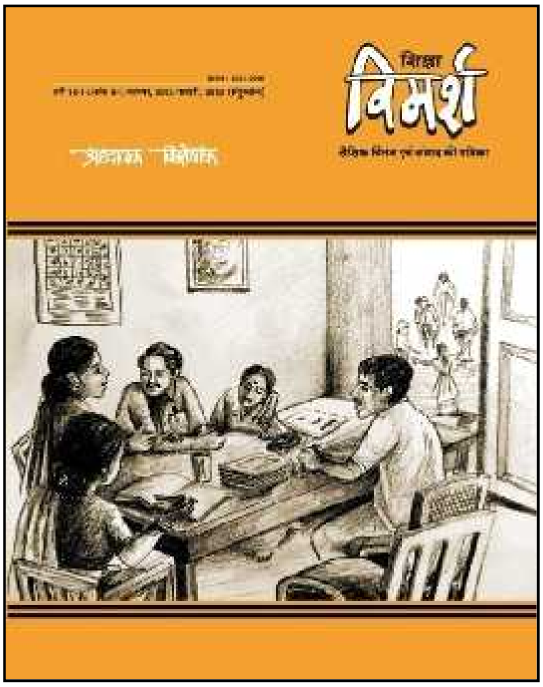

इस वर्ष के अंत से शिक्षा विमर्श के सभी अंक समय पर प्रकाशित हुए है। वित्तीय सहयोग में दिक्कतें आने की वजह से सीमित संसाधनों के साथ शिक्षा विमर्श के प्रकाशन को जारी रखने की कोशिश की गई है। कम्प्यूटर ऑपरेटर के बीच में छोड़कर चले जाने के कारण सम्पादक सहित केवल 02 व्यक्ति ही कार्यरत रहे।

वित्तीयवर्ष 2011–12 के दौरान शिक्षा विमर्श के **प्रचार–प्रसार** को संक्षिप्त में इस प्रकार समझा जा सकता है–

- विगत वर्ष की तुलना स्वरूप शिक्षा विमर्श की सदस्यता में 06 प्रतिशत की इजाफा हुआ है। इस वर्ष के अंत में कुल सदस्य संख्या 1438 हो गई।
- नवीनतम अंक के अलावा अब तक प्रकाशित सभी अंक शिक्षा विमर्श की वेबसाईट पर अपलोड है। वेबसाईट सदस्यों के पंजीकरण में 61 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वर्तमान में 11000 सदस्य पंजीकृत है।
- अध्यापक विशेषांक के बाद से शिक्षा विमर्श सही समय पर प्रकाशित हो रही है।

तुलनात्मक विश्लेषण

सदस्यता/वर्ष	2010–11	2011–12
मानद सदस्य	5	1
नए सदस्य	314	87
सदस्यता समाप्ति	280	113
सदस्यता वृद्धि	1038 से 1351	1352 से 1438
सदस्यता शुल्क प्राप्ति	**1,77,710.00**	**2,17,416.00**
वास्तविक सदस्य	**935**	**878**

चुनौतियां

- बजट अभाव तथा कम्प्यूटर ऑपरेटर नहीं होने के कारण काम की गुणवत्ता और मात्रा दोनों में ही कमी महसूस की गई।
- इस समयावधि में पत्रिका प्रसार के लिए कोई विशेष काम नहीं हो पाया। परिणामस्वरूप अन्य वर्षो की तुलना में इस वर्ष सदस्यता में बढ़ोत्तरी काफी कम है।
- वर्तमान में जिनकी सदस्यता समाप्त होने वाली या हो चुकी है, उनकी सदस्यता आगे जारी रखने के लिए नवीनीकरण कम हो पाना।

विशेषताएं

- नवीनीकरण स्मरण पत्रों एवं सतत् सम्पर्क के फलस्वरूप शिक्षा विमर्श की सदस्यता शुल्क में 22 प्रतिशत की वृद्धि होना।
- अध्यापक विशेषांक का प्रकाशन में अतिथि संपादक के तौर पर प्रो. कृष्ण कुमार का योगदान।
- शिक्षा विमर्श का प्रकाशन पिछले वर्षों की अपेक्षा इस वर्ष समय पर होना।
- नए वित्तीय सहयोग के साथ शिक्षा विमर्श की नई योजना का प्रस्ताव जिससे शिक्षा विमर्श एक नए रूप में प्रकाशित होने की संभावना।

2.4 सन्दर्भ सहायता इकाई (TRSU)

TRSU दिगन्तर के मुख्य कार्यक्रमों मे से एक है जिसका मुख्य ध्येय संस्था के सभी कार्यक्रमों के उम्दा संचालन के लिए प्रशासनिक और व्यवस्थात्मक मदद मुहैया कराना है। इस इकाई के कार्यों में लेखांकन एवं वित्तीय संबंधी, सामग्री खरीदना व उपलब्ध कराना, आवास व्यवस्था तथा संस्थागत सभी कार्मिकों का चयन व नियुक्त करने का काम प्रमुखता में है। संस्था के सभी कार्यक्रमों एवं गतिविधियों का समन्वयन तथा सहयोग करना इस इकाई का मुख्य काम है ताकि सभी कार्यक्रम अपने लक्ष्य व उद्देश्यों अनुरूप बेहतर उपलब्धियां हासिल कर सके।

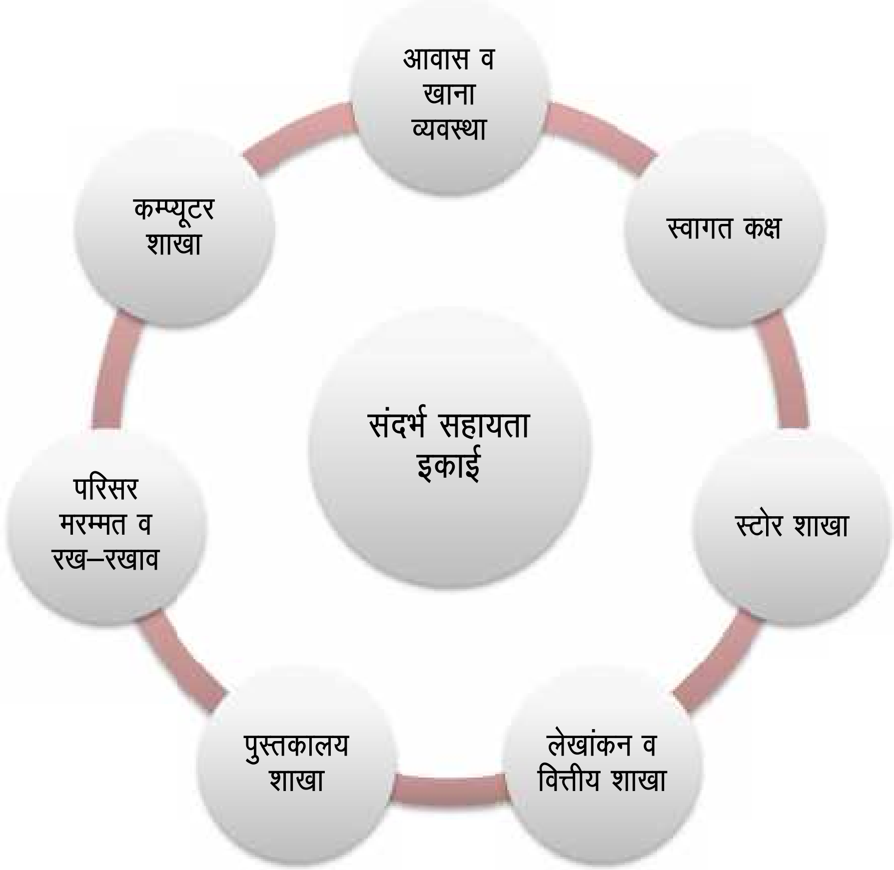

वर्ष 2011–12 दौरान किये गए मुख्य काम व गतिविधियां

स्वागत	पुस्तकालय	स्टोर
• सभी प्रकार के फोन की रजिस्टर और कम्प्यूटर में प्रविष्टि करना। • फॉटोकॉपी, स्केन, फैक्स और कम्प्यूटर संबंधी कार्य। • स्वागत कक्ष से संबंधित गतिविधियों के दस्तावेज रखना।	• इस वर्ष लगभग 540 नई पुस्तकें खरीदी गई। • पुस्तकालय की लगभग 20,126 पुस्तकों का व्यवस्थित अभिलेख रखना। • मुख्य पुस्तकालय तथा दो अन्य कार्यक्रम की पुस्तकों का भौतिक सत्यापन कर रपट तैयार करना। • पुस्तकालय संबंधी कार्य की मासिक व वार्षिक रपट बनाना।	• स्थायी और अस्थायी सामग्री खरीदना और निगर्मन करना। • संस्था के सभी कार्यक्रमों और कार्यालय की सामग्री का भौतिक सत्यापन करना। • नये उपकरण खरीदना। पुराने उपकरण व सामग्री का सार–संभाल रखना।

कम्प्यूटर कार्य	लेखा संबंधी	केम्पस मरम्मत और व्यवस्थितिकरण
• विभिन्न टंकण कार्य करना। जैसे– रपट, पत्रिका, पहचान कार्डस इत्यादि। • संस्थागत पत्र एवं विभिन्न दस्तावेज का टंकण कार्य। • दिगन्तर विद्यालय संबंधित रपट और विभिन्न टंकण कार्य।	• खाता बुक तैयार करना। जिसमें खाताबही, बैंक बुक, नकद बुक, अंतिम खाते इत्यादि। • विभिन्न वित्तीय और ऑडिट रपट तैयार करना। • संस्थागत कार्मिकों का वेतन बनाना और उसका रिर्कोड रखना। • संस्थागत सभी कार्यक्रमों और गतिविधियों का खर्च विवरण का लेखा–जोखा रखना।	• विभिन्न प्रशिक्षण, बैठकों और आगुन्तकों के लिए भोजन (चाय, नास्ता, लंच व रात्रि भोजन) की व्यवस्था उपलब्ध कराना। • आगुन्तकों के ठहरने और रहने के लिए बेहतर व्यवस्था मुहैया कराना। • केम्पस के सभी कमरों की साफ–सफाई व सार–संभाल रखना। • संस्थागत अन्य सभी कार्य (यात्रा आरक्षण, फॉटोकॉपी या बाजार संबंधी काम आदि) समय पर पूरा करना।

प्रशिक्षण एवं कार्यशालाएं

इस वर्ष में निम्न वर्णित कार्यशालाएं एवं प्रशिक्षण में संभागियों के लिए रहने, खाने और आने–जाने संबंधी वाहन सुविधा इत्यादि व्यवस्था मुहैया की गई–

- दिगन्तर विद्यालय के लिए शिक्षक क्षमतावर्द्धन कार्यशालाएं (04)
- दिगन्तर विद्यालय के लिए चार माह का आवासीय शिक्षक प्रशिक्षण
- फाउन्डेशन कोर्स
- APF के लिए शिक्षक कार्यशाला
- ICEE, APF और राजीव गांधी फाउन्डेशन टीम बैठक
- तरु द्वारा आयोजित कार्यशाला

दिगन्तर विद्यालय के अवलोकन एवं शिक्षण पद्धति को जानने के लिए समय–समय पर विभिन्न आगुन्तक आए। लगभग 32 संस्थाओं से कुल 147 लोग विजिट पर आए जिनमें से प्रमुख संस्थाएं– SOS village Gram, विद्याभवन सोसायटी, देशपाण्डे फाउन्डेशन–हुबली, APU, Teach for India, IIMPAC, गुड़गांव, IIHE, दिल्ली, भारतीय जैन संस्थान–पुणे।

कार्मिकों का चयन

संस्थागत चयन प्रक्रिया अनुसार विभिन्न कार्यक्रम में नये कार्मिकों का चयन किया गया जिसमें विज्ञप्ति प्रकाशन, आवेदन का विश्लेषण, साक्षात्कार प्रक्रिया और अंतिम चयन इत्यादि काम किया गया। इस वर्ष नव चयनित कार्मिकों को विवरण निम्न है–

- शिक्षा समर्थन फागी– 01
- दिगन्तर विद्यालय– 07
- सन्दर्भ एवं सहायता इकाई– 02

3. अन्य कार्यक्रम

3.1 DFID's ग्लोबल स्कूल पार्टनरशिप कार्यक्रम

यह ब्रिटिश काउंसिल द्वारा संचालित एक शैक्षिक कार्यक्रम है। नये विचारों से अवगत होने, अलग–अलग तरह की संस्कृति समझने और सार्वभौमिक समझ विकसित करने के लिए यह कार्यक्रम संचालित है। इसका मुख्य लक्ष्य शिक्षा के नवाचारों को विस्तृत दायरे में साझा करने और शिक्षकों की अकादमिक मदद के लिए सेतु विकसित करना है। सुचारू रूप से संचालन के लिए कार्यक्रम DFID (Department for International Development) द्वारा वित्तपोषित है।

ब्रिटिश काउन्सिल के तहत् विभिन्न जगह में अध्ययन उपरान्त उम्दा शिक्षा उद्देश्य व सिद्धान्त बतौर दिगन्तर विद्यालय का चयन किया गया। वर्ष 2004 में इस कार्यक्रम की शुरुआत हुई जिसमें दिगन्तर शाला तथा यू. के. लार्ड स्कूडॉमोर स्कूल के मध्य सतत् संवाद जारी रहा। वर्तमान कार्यक्रम से दिगन्तर के सभी विद्यालयों में लगभग 509 बच्चें और शिक्षक लाभान्वित है।

मुख्य उद्देश्य

- अलग–अलग सांस्कृतिक पृष्ठभूमि तथा परिस्थितियों में रह रहे बच्चों व शिक्षकों के मध्य संवाद व सीखने का सेतु विकसित करना।
- बच्चों और शिक्षकों के कल्पना, सृजनशीलता तथा अनुभव के दायरों को बढ़ाने के अवसर मुहैया कराना।
- स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाने में एक–दूसरे का सहयोग करना। जिसमें शिक्षण की नई विधाओं व मूल्यांकन के तरीकों को समझना और उनका अपने स्कूल में उपयोग करना।

वर्ष 2011–12 की मुख्य गतिविधियां

कार्यक्रम के तहत् दिगन्तर शाला व यू. के. लार्डस्कूडामोर स्कूल के बच्चे और शिक्षकों को आपस में एक–दूसरे से सीखने का अवसर मिला है। विभिन्न शैक्षिक गतिविधियां व जानकारियों का आदान–प्रदान करने में इस कार्यक्रम की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही है।

सत्र 2011–12 में दिगन्तर विद्यालय के बच्चे व शिक्षक द्वारा पानी के मुद्दे पर Case Study की विस्तृत योजना बनायी गई। परिवेश में पानी की स्थिति जानने व समझने के लिए अभिभावकों से चर्चा की। बच्चों ने समाचार पत्रों तथा इन्टरनेट से जानकारी संकलित कर पानी के स्रोत्र, उपलब्धता

तथा समस्याओं का विश्लेषण किया। U.K. से आए मेहमानों के साथ बातचीत कर पानी की स्थिति का तुलनात्मक अध्ययन भी किया। पानी के मुद्दे पर किये गए काम से बच्चों में एक–दूसरे देश की प्राकृतिक एवं भौगोलिक स्थितियों को समझने में मदद मिली। साथ ही पानी के संरक्षण के तरीकों और उनके समाज पर पड़ने वाले प्रभावों को समझ पाए। विश्लेषण तथा तुलनात्मक अध्ययन से बच्चों को ज्ञान निर्माण की प्रक्रिया से गुजरने का अवसर भी मिला।
कार्यक्रम के अन्तर्गत विषयवार शिक्षण बिन्दुओं को समायोजित करने से शिक्षाक्रम के वांछित उद्देश्यों की तरफ बढ़ने में काफी मदद मिली है। शिक्षण के तरीकों को समझने में शिक्षकों को दिशा मिली है।

विजिट

कार्यक्रम के तहत् यू. के. लार्डस्कूडामोर स्कूल के शिक्षकों (ऐली व जोयना) को दिगन्तर विद्यालय आकर शिक्षण प्रक्रिया को समझने का प्रत्यक्ष मौका मिला। इन्होंने बच्चों के साथ पैन केक बनाने, कहानी, नृत्य, तस्वीरों देखकर चर्चा करने और विज्ञान के प्रयोगों पर काम भी किया। इसके अलावा समुदाय में जाकर कुम्हार का काम देखा। कुछ ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण कर समझने का काम किया। इस विजिट से दोनों स्कूलों को नये विचार मिले हैं, जो शिक्षण को बेहतर बनाने में कारगर सिद्ध हुये हैं। दिगन्तर विद्यालय से भी अप्रैल 2012 माह में कुछ शिक्षकों का लार्डस्कूडामोर स्कूल (यू.के.) में जाकर देखने व समझने की योजना है।

उपलब्धि : बच्चों के साथ शिक्षण कार्य के दौरान कुछ सार्थक प्रभाव नजर आए। जैसे–

- इस कार्यक्रम से शिक्षाक्रम के क्रियान्वयन में मदद मिली।
- विद्यालय में कक्षा–कक्ष के अलावा बाहरी गतिविधियों को बल मिला जिससे बच्चों को तुलनात्मक व विश्लेषणात्मक अध्ययन करने और नया जानने की जिज्ञासा की प्रवृत्ति को बढ़ावा मिला है।
- कार्यक्रम ने दोनों देशों के बच्चों व शिक्षकों के शैक्षिक संवाद और पार्टनरशिप को मजबूती प्रदान की है।

3.2 शिक्षा समर्थन कार्यक्रम

जिला प्रशासन के समर्थन और विप्रो द्वारा वित्तपोषित यह कार्यक्रम जुलाई 2006 से जयपुर (राजस्थान) जिले के फागी विकास खण्ड में संचालित है। जिसका मुख्य ध्येय सरकारी विद्यालय को शैक्षिक दृष्टि से उम्दा बनाने के लिए काम करना। इसी प्रयास स्वरूप विगत पांच वर्षों से सरकारी विद्यालयों में अकादमिक सहयोग का काम किया गया। लेकिन इस बीच हमारे शैक्षिक परिदृश्य में कई महत्त्वपूर्ण बदलाव (शिक्षा के अधिकार का कानून और संकुल केन्द्र के स्थान पर नोडल केन्द्र की संकल्पना का आना) हुए है तथा कार्यक्रम की अवधि भी मार्च 2011 में समाप्त हो रही थी। इन बातों को ध्यान में रख कर एक सीमित अवधि (एक वर्ष) का प्रस्ताव विप्रो को भेजा गया। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत कोशिश है कि– नोडल केन्द्र विद्यालयों को आर. टी. ई. की मूल मंशा के अनुरूप विकसित होने की संभावनाएं तलाशना। साथ ही इस दिशा में काम करके यह देख पाना कि विद्यालयों के विकास के लिए किस तरह की मदद और ढ़ांचा ज्यादा उपयुक्त होगा।

काम की प्रकृति

कार्यक्रम के नोडल समन्वयक द्वारा नोडल प्रभारी के साथ मिलकर नोडल केन्द्र विद्यालय को आर. टी. ई. की मंशा अनुरूप विकसित होने में मदद करना जिसमें सहयोग के मुख्य बिन्दु कुछ इस प्रकार है–

- शिक्षकों के साथ संबंधित विषयों पर संवाद करना और सक्षम होने की दिशा में आगे बढ़ाना। जरूरत होने पर प्रत्यक्ष रूप से करके भी दिखाना।
- नोडल केन्द्र विद्यालयों में स्कूल प्रबन्धन समिति की भागीदारी को बढ़ाने के लिये काम करना।
- नोडल पर आर. टी. ई., सतत् मूल्याकन और बाल केन्द्रित शिक्षण इत्यादि को समझने के लिए बैठकों का आयोजन करना। नोडल प्रभारी को यह सब कर पाने के लिए प्रेरित करना तथा इसके लिए सक्षम होने की दिशा में मदद करना।
- नोडल प्रभारी के साथ इन 05 नोडल केन्द्रों से संबंधित 40 विद्यालयों में अकादमिक मदद करना। आर. टी. ई. अनुरूप शामिल की जा सकने वाली चीजों को चिन्हित करना, योजना बनाना और इस दिशा में काम करना इत्यादि।

अप्रैल 2011 से मार्च 2012 दौरान कार्यक्रम तहत् निम्न गतिविधियां की गई–

- **आधाररेखा अध्ययन**

नोडल विद्यालयों की स्थिति को समझने के लिए 05 नोडल विद्यालयों में आधाररेखा अध्ययन (अप्रैल–मई 2011) किया गया। इस आधाररेखा अध्ययन में कक्षा 01 से 05 के लगभग 250 बच्चों का चार विषयों (हिन्दी, अंग्रेजी, गणित, पर्यावरण अध्ययन) में शैक्षिक स्तर का पता किया गया। साथ ही नोडल केन्द्र प्रभारी, शिक्षकों और विद्यालय प्रबंधन समिति के नजरिये को जानने की कोशिश की गई।

- **अकादमिक बैठकें**

नोडल स्तर पर 04 नोडल केन्द्र प्रभारियों द्वारा शिक्षकों के साथ मासिक अकादमिक बैठकें की गई। प्रति नोडल केन्द्र पर औसतन 07 बैठकें हुई जिसमें विद्यालय की शैक्षिक स्थिति पर चर्चा कर आगामी मासिक कार्यलक्ष्य बनाने का काम सतत् रूप से किया गया।

- **क्षमतावर्द्धन कार्यशालाएं**

नोडल समन्वयकों के साथ चार कार्यशालाएं की गई जिनमें किया गया काम इस प्रकार है :

क्रमांक	समय	माह	काम
1.	07 दिन	अप्रैल	आर.टी.ई. को समझना।
2.	10 दिन	मई	नोडल पर अकादमिक मदद के तरीके और गतिविधियां विकसित करना।
3.	01 माह	जून	आधार रेखा अध्ययन की रूपरेखा बनाना और तैयारी करना।
4.	08 दिन	दिसम्बर	कार्य समीक्षा करना और आगामी रूपरेखा बनाना।

इसके अलावा 05 नोडल केन्द्र प्रभारियों के साथ तीन दिवसीय कार्यशाला की गई जिसमें आर.टी.ई. को समझने और उसके अनुरूप विद्यालय विकास की योजना बनाने पर विचार–विमर्श किया गया।

- **नोडल के अन्य विद्यालयों में मदद**

अपने संबंधित विद्यालयों में अकादमिक मदद के ढांचा विसिकत करने की दिशा में नोडल केन्द्र एक कदम आगे बढ़ा है। नोडल प्रभारी द्वारा प्रतिमाह इन विद्यालयों में जाकर शिक्षकों के साथ विद्यालय की अच्छी परिस्थिति बनाने पर चर्चा की गई।

- **विद्यालय प्रबन्धन समिति बैठकें**

आर.टी.ई. की मंशा अनुसार वर्तमान में इन सभी 05 नोडल केन्द्र विद्यालयों में विद्यालय प्रबन्धन समिति गठित है। नोडल विद्यालय स्तर पर विद्यालय प्रबन्धन समिति के साथ त्रैमासिक बैठकें नियमित रूप से हुई है। इन बैठकों में विद्यालय की शैक्षिक स्थिति पर विचार–विमर्श किया गया। साथ ही विद्यालय कार्यक्रमों (प्रवेश उत्सव, राष्ट्रीय पर्व तथा आओ सीखें इत्यादि) में व्यवस्था संबंधी बातचीत की गई।

- **कार्यक्रम का अध्ययन**

इस दौरान विप्रो द्वारा कार्यक्रम का एक अध्ययन CFL (Center for Learning) संस्था की मदद से किया गया जिसमें कार्यक्रम के आरम्भ से वर्तमान (वर्ष 2006–2012) तक किये गए काम और उसके प्रभाव को समझने का प्रयास किया। इस तहत् 12 विद्यालयों में जाकर अवलोकन करने तथा बच्चों–शिक्षकों–अभिभावकों से कार्यक्रम के संदर्भ में बातचीत की। इसके अलावा 03 संकुल प्रभारियों और कार्यक्रम टीम के साथ बैठक आयोजित कर कार्यक्रम में काम के तरीके, चुनौतियां और उपलब्धियों के बारे में चर्चाएं की गई।

चुनौती

इस अल्पावधि में कार्यक्रम नोडल केन्द्र की संकल्पना को समझने तथा विद्यालयों के लिए अकादमिक मदद के तरीके तलाशने की ओर अग्रसर हुआ लेकिन नये प्रस्ताव मुताबिक मार्च 2012 बाद यह कार्यक्रम समाप्त हो गया।

4. विकसित शिक्षण सामग्री

संस्था द्वारा विद्यालय का नियमित संचालन करने और शिक्षा के आधारभूत मुद्दों पर चिंतन व विमर्श करने के साथ–साथ जरूरत अनुसार शिक्षण सामग्री विकसित की गई। अब तक किये गये प्रयासों के स्वरूप संस्था में प्राथमिक विद्यालय के लिए शिक्षण सामग्री, प्रशिक्षण सामग्री एवं विभिन्न शोध रपट विकसित हुई है। **(विवरण परिशिष्ट में संलग्न है।)**

5. सहयोग एवं भागीदारी

उद्देश्यों अनुरूप गतिविधियों के क्रियान्वयन में मदद तथा वित्तीय योगदान के लिए निम्न साझेदारों को संस्था प्रोत्साहित करती है–

- अजीमप्रेमजी फाउन्डेशन, बैंगलोर
- आईसीआईसीआई फाउन्डेशन
- विप्रो, बैंगलोर
- पॉल हैम्लेन फांउडेशन, लंदन

गतिविधियों की संकल्पना/क्रियान्वयन में संगी संस्थान की भागीदारी–

- एकलव्य, भोपाल
- विद्याभवन सोसायटी, उदयपुर
- होमी भाभा सेन्टर फॉर साइंस एज्युकेशन, मुम्बई
- जीसस एण्ड मेरी कॉलेज, नई दिल्ली
- सेंट क्रिसटोफर स्कूल, लंदन
- एसआईजी, आईसीआईसीआई फाउन्डेशन, बैंगलोर
- अजीम प्रेमजी फाउन्डेशन, बैंगलोर
- एनसीईआरटी, नई दिल्ली
- एससीईआरटी, रायपुर
- दूसरा दशक, जयपुर

गतिविधियों में भागीदारी करने वाले कुछ साथी

- प्रो. कृष्ण कुमार, एनसीईआरटी, नई दिल्ली
- प्रो. रमाकान्त अग्निहोत्री, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
- प्रो. विजय वर्मा, दिल्ली
- डॉ. शारदा जैन, संधान, जयपुर
- डॉ. एच. के. दीवान, वीबीआरसी, उदयपुर
- डॉ. सी. एन. सुब्रह्मन्यम, एकलव्य, भोपाल
- डॉ. रश्मि पालीवाल, एकलव्य, भोपाल
- सुश्री अंजली नोरोंहा, एकलव्य, भोपाल
- प्रो. पूनम बत्रा, नई दिल्ली
- प्रो. अमन मदान, अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी
- सुश्री इन्दु प्रसाद अजीम प्रेमजी फाउन्डेशन बैंगलोर
- डॉ. शारदा बालगोपालन, सीएसडीएस, नई दिल्ली

6. दिगन्तर संरचना 2011–12

कार्यकारी समिति

दिगन्तर पूर्ण रूप से विकेंद्रीयकरण प्रबन्ध प्रणाली तथा अकादमिक एवं प्रशासनिक कार्यकर्ताओं के सहयोग से सचिव और निदेशक द्वारा संचालित है। कार्यकारी समिति सदस्य विवरण इस प्रकार है–

क्रमांक	नाम	विवरण
1.	सुश्री पी. एन. कावूरी	अध्यक्ष
2.	सुश्री जी. जे. उन्नीथान	–
3.	श्री रोहित धनकर	सचिव
4.	श्री अजय कुमार जैन	कोषाध्यक्ष
5.	सुश्री रीना दास	आजीवन सदस्य
6.	प्रो. कृष्ण कुमार	सदस्य

जनरल बॉडी

क्रमांक	नाम	क्रमांक	नाम
1.	श्री जे.पी. सिंह	10.	सुश्री जी.जे.उन्नीथान
2.	सुश्री रीना दास	11.	श्री गंगा सिंह
3.	सुश्री प्रफुल्ला कुमारी	12.	श्री अनिल बोर्डिया
4.	श्री आर. एस. झाला	13.	डॉ. शारदा जैन
5.	श्री रोहित धनकर	14.	श्री पुरनेन्दु कावूरी
6.	श्री सुरेन्द्र कुशवाह	15.	श्री प्रदीप भार्गव
7.	प्रो. कृष्ण कुमार	16	सुश्री कविता श्रीवास्तव
8.	सुश्री पी.एन. कावूरी	17.	श्री सवाई सिंह शेखावत
9.	श्री ए. के. जैन		

7. परिशिष्ट (शिक्षण सामग्री, कार्यकर्ता, वित्तीय विवरण एवं दिगन्तर पहुँचना)

7.1 शिक्षण सामग्री विवरण

(अ) प्राथमिक विद्यालय के लिए शिक्षण सामग्री

- भाषा आरंभिक गतिविधियां
- मात्रा कार्ड सैट, शब्द चित्र कार्ड सैट
- हिन्दी पोथी (पहली, दूसरी, तीसरी व चौथी)
- हिन्दी भाषा विकास श्रृंखला (01 से 12)
- हिन्दी नई पुस्तक सैट (पहली, दूसरी, तीसरी व चौथी)
- शिक्षक की पुस्तक भाषा
- गणित आरंभिक गतिविधियां
- गणित बोध (01 से 15)
- पर्यावरण अध्ययन आरंभिक गतिविधियां
- पर्यावरण अध्ययन (अपने आस–पास 01 से 05)
- हम सब
- तब अब और आगे
- जंगल की सभा
- शिक्षा विमर्श (द्वि–मासिक पत्रिका)
- शिक्षा और समझ, लेखक–रोहित धनकर, आधार प्रकाशन, पंचकुला हरियाणा
- लोकतंत्र शिक्षा और विवेकशीलता, सम्पादित– रोहित धनकर, आधार प्रकाशन
- शिक्षा के संदर्भ और विकल्प, सम्पादित– रोहित धनकर और राजाराम भादू, आधार प्रकाशन

(ब) प्रशिक्षण सामग्री

- प्राथमिक शिक्षक प्रशिक्षण की रूपरेखा
- शिक्षा और समझ
- शिक्षाक्रम प्रथम प्रारूप
- पर्यवेक्षक प्रशिक्षण संदर्भ संदर्शिका (प्रारूप)
- शिक्षक प्रशिक्षण संदर्भ संदर्शिका (प्रारूप)
- Therotical Basis of Alternative Elementary Education

- Language Teaching at Digantar
- शिक्षा सिद्धान्त और व्यवहार आधारित कार्यशाला रपट दिसम्बर, 2003
- पहचानशाला, महिला शिक्षक प्रशिक्षण–दिसम्बर 2002
- समुदाय सहयोग कार्यक्रम, पहचान में समुदाय सहयोग– एक रपट
- राजकीय प्राथमिक शिक्षक सहयोग, पहचान में प्राथमिक विद्यालय में अकादमिक मदद– एक रपट
- पहचानशाला में बालिकाओं के शैक्षिक स्तर मूल्यांकन और विश्लेषण– एक रपट
- प्राथमिक शिक्षा में सिद्धान्त और व्यवहार–2005
- विकास क्रम एवं गतिविधियां– 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों के लिए
- शिक्षाक्रम–कला
- पुस्तकालय अभिव्यक्ति क्षमता विकास कार्यशाला– एक रपट
- पुस्तकालय, बच्चे और हम– पुस्तकालय कार्यक्रम रपट 2007
- सफरनामा– शिक्षा समर्थन परियोजना रपट 2012

(स) शोध अध्ययन रपट

- केरल में गतिविधि आधारित शिक्षण और उपलब्धियां– मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय, भारत सरकार के लिए प्राथमिक शिक्षा विकास कार्यक्रम में शिक्षाशास्त्रीय हस्तक्षेप का एक अध्ययन
- उरमूल शिक्षा समिति बज्जू के लिए बालिका शिविर का एक अध्ययन
- केयर इण्डिया और दिगन्तर द्वारा राजस्थान के ग्रामीण स्कूलों में गुणवत्ता की खोज
- राजस्थान के टांक जिले में प्राथमिक शिक्षा– एक रपट
- राजस्थान में विगत दशक शिक्षा में बदलाव– एक आधार पत्र

7.2 दिगन्तर कार्यकर्ता (वर्ष 2011–12 में)

दिगन्तर विद्यालय (प्राथमिक से उच्च माध्यमिक)

क्रमांक	कार्यकर्ता	जन्मतिथि	लिंग	शैक्षिक योग्यता	दिगन्तर अनुभव (वर्षों में)	अन्य अनुभव (वर्षों में)	पदनाम
1.	अब्दुल गफ्फार	01 जुलाई 1965	पुरूष	एम.ए. बी. एड.	17 वर्ष 06 माह	–	कार्यक्रम समन्वयक (प्रवीक्षाकाल)
2.	अभिलाषा पुरूषोत्मान	05 अक्टूबर 1981	महिला	एम.ए. पीजीडीसीए	09 माह	–	व्यवस्था समन्वयक
3.	आलोक तिवारी	30 जुलाई 1983	पुरूष	एम.ए. बी. एड.	07 माह	–	प्राथमिक शिक्षक
4.	अनिल कुमार शर्मा	10 जुलाई 1987	पुरूष	बी.ए. (बी. एड. शिक्षाशास्त्री)	07 माह	03 वर्ष	प्राथमिक शिक्षक
5.	अनिता शर्मा	03 दिसम्बर 1980	महिला	एम.ए. बी. एड.	02 माह	04 वर्ष	प्रशिक्षु
6.	धर्मेन्द्र कुमार स्वर्णकार	30 अगस्त 1980	पुरूष	बी. कॉम. पीजीडीसीए	03 माह	06 वर्ष	कार्यालय प्रभारी(प्रविक्षाकाल)
7.	घनश्याम कुमार	07 जनवरी 1980	पुरूष	एम.ए. बी. एड.	04 वर्ष 02 माह	05 वर्ष 06 माह	प्राथमिक शिक्षक
8.	हरीश शर्मा	01 जुलाई 1976	पुरूष	एम.ए. बी. एड.	04 वर्ष 08 माह	03 वर्ष	प्राथमिक शिक्षक
9.	हेमन्त कुमार शर्मा	01 जुलाई 1975	पुरूष	एम.ए. बी. एड.	08 वर्ष 03 माह	04 वर्ष	अकादमिक समन्वयक (प्राथमिक)
10.	हेमराज सेन	05 अप्रैल 1976	पुरूष	एम.ए. बी. एड.	01 वर्ष 01 माह	10 वर्ष	प्राथमिक शिक्षक
11.	इमरान	31 जुलाई 1982	पुरूष	बी.ए. (प्रथम वर्ष)	07 वर्ष 03 माह	–	विद्यालय सहायक
12.	ईश्वर सिंह शेखावत	10 फरवरी 1984	पुरूष	एम.एससी. बी. एड. पीजीडीसीए	07 माह	03 वर्ष	कम्प्यूटर शिक्षक
13.	जगदीश नारायण	16 जुलाई 1960	पुरूष	12 वीं	18 वर्ष 05 माह	05 वर्ष	कॉरपेन्ट्री शिक्षक
14.	जगदीश प्रसाद शर्मा	30 जून 1978	पुरूष	एम.ए. बी. एड.	07 माह	06 वर्ष	प्राथमिक शिक्षक
15.	जितेन्द्र कुमार	13 अप्रैल 1973	पुरूष	बी.एससी.	03 वर्ष 11 माह	22 वर्ष	गणित शिक्षक (प्रवीक्षाकाल)
16.	कैलाश चन्द	02 मई 1962	पुरूष	एम.ए. बी. एड.	19 वर्ष 08 माह	–	प्राथमिक शिक्षक(प्रविक्षाकाल)
17.	ललित किशोर	06 नवम्बर 1989	पुरूष	बी. ए. बी. एड.	06 माह	03 वर्ष 06 माह	संस्कृत शिक्षक (अस्थायी)
18.	लोकेश खण्डेलवाल	06 जनवरी 1988	पुरूष	बी. कॉम.	02 वर्ष	–	स्टोर प्रभारी
19.	लुबना इफ़फत	04 अप्रैल 1988	पुरूष	बी.ए. बी.एड. बीएसटीसी	07 माह	07 वर्ष 06 माह	प्राथमिक शिक्षक
20.	मंजु	08 सितम्बर 1977	महिला	एम.ए. बी. एड.	11 वर्ष 02 माह	12 वर्ष 06 माह	प्राथमिक शिक्षक(प्रवीक्षाकाल)

21.	मोहम्मद शोएब	13 मई 1982	पुरूष	एम.ए. बी. एड.	01 वर्ष 10 माह	05 वर्ष 06 माह	उर्दू शिक्षक (उच्च प्राथमिक)
22.	नन्द किशोर गुर्जर	13 अगस्त 1980	पुरूष	एम.ए. बी. एड.	07 माह	04 वर्ष	चित्रकला शिक्षक
23.	नारायण सिंह राठौड़	01 नवम्बर 1977	पुरूष	10 वीं	09 माह	–	रात्रिचौकीदार
24.	नाथू लाल	25 अगस्त 1986	पुरूष	09 वीं	02 वर्ष 10 माह	–	कॉरपेन्ट्री शिक्षक
25.	नौरतमल पारीक	05 अगस्त 1968	पुरूष	बी.ए. (द्वितीय वर्ष)	18 वर्ष 05 माह	–	शाला समुदाय समन्वयक
26.	प्रवीण कुमार पांचाल	05 जनवरी 1984	पुरूष	एम.ए. बी. एड.	05 वर्ष	04 वर्ष	प्राथमिक शिक्षक
27.	प्रवीण जैन	06 जनवरी 1979	पुरूष	एम.ए. बी. एड.	07 माह	12 माह	अंग्रेजी शिक्षक
28.	प्रदीप कुमार वर्मा	06 सितम्बर 1984	पुरूष	एम.ए. (संगीत)	07 माह	01 वर्ष 06 माह	संगीत शिक्षक
29.	प्रेमचंद परसोया	20 दिसम्बर 1975	पुरूष	बी.ए. (द्वितीय वर्ष)	03 वर्ष 01 माह	–	स्वास्थ्य सहायक
30.	पुष्पेन्द्र कुमार तोमर	26 जनवरी 1979	पुरूष	एम.एससी. बी. एड.	07 माह	03 वर्ष	विज्ञान शिक्षक
31.	पवन कुमार	26 अगस्त 1986	पुरूष	एम.ए.	03 वर्ष 11 माह	–	सामाजिक अध्ययनशिक्षक (उच्चप्राथमिक–माध्यमिक)
33.	पवन कुमार	05 जनवरी 1987	पुरूष	बी.एससी. बी. एड.	08 माह	01 वर्ष	प्रयोगशाला सहायक (प्रवीक्षाकाल)
33.	रचना चौधरी	29 मई 1976	महिला	एम.ए. बी. एड.	01 वर्ष 08 माह	–	प्रशिक्षु
34.	रामजीलाल गुर्जर	09 अगस्त 1963	पुरूष	एम.ए. बी. एड.	17 वर्ष 05 माह	–	प्राथमिक शिक्षक
35.	रमेश चन्द	24 जुलाई 1967	पुरूष	एम.ए.	22 वर्ष 04 माह	–	प्राथमिक शिक्षक(प्रवीक्षाकाल)
36.	रविन्द्र सिंह मान	24 जुलाई 1984	पुरूष	बी.ए.	03 वर्ष 04 माह	03 वर्ष	प्राथमिक शिक्षक (उच्च प्राथमिक)
37.	रेखा जैन	10 जुलाई 1982	महिला	एम.ए. बी. एड.	05 वर्ष 04 माह	07 वर्ष 06 माह	प्राथमिक शिक्षक
38.	रोहित गुप्ता	13 नवम्बर 1983	पुरूष	एम. कॉम.	03 वर्ष 07 माह	05 वर्ष	लेखापाल
39.	संजीव कुमार जैन	13 अक्टूबर 1975	पुरूष	एम.ए. बी. एड.	04 वर्ष 07 माह	07 वर्ष	अकादमिक समन्वयक (उच्च प्राथमिक)
40.	समुन्दर सिंह सैंगर	10 मई 1980	पुरूष	एम.ए. डी. सी.ए.	06 वर्ष 07 माह	02 वर्ष 06 माह	विज्ञान शिक्षक (उच्चप्राथमिक–माध्यमिक)
41.	उम्मेदसिंह	05 दिसम्बर 1980	पुरूष	8 वीं	08 माह	–	चौकीदार
42.	वेद प्रकाश शर्मा	11 जुलाई 1983	पुरूष	बी. एससी. बी. एड.	04 वर्ष 08 माह	03 वर्ष	प्राथमिक शिक्षक
43.	विमलेश शर्मा	16 जुलाई 1974	पुरूष	एम.ए. बी. एड.	07 माह	12 वर्ष	अकादमिक समन्वयक (उच्च माध्यमिक)
44.	वीरेन्द्र सिंह		पुरूष	बी. कॉम.	01 माह	–	स्टोर सहायक (प्रवीक्षाकाल)
45.	विवेक सिंह राठौड़	07 फरवरी 1974	पुरूष	बी. ए. एलएलबी	05 वर्ष 03 माह	03 वर्ष	प्राथमिक शिक्षक

तरु (अकादमिक सन्दर्भ इकाई)

क्रमांक	कार्यकर्ता	जन्मतिथि	लिंग	शैक्षिक योग्यता	दिगन्तर अनुभव (वर्षों में)	अन्य अनुभव (वर्षों में))	पदनाम
1.	दीपा सिंह	01 मई 1982	महिला	एम.ए. बी.एड.	02 वर्ष 02 माह	01 वर्ष	सहायक फैलो
2.	देवयानी भारद्वाज	13 दिसम्बर 1972	महिला	एम.ए.	02 वर्ष 02 माह		एसोसिएट फैलो
3.	दीपककुमारराय	24 मई 1969	पुरूष	डी. फिल.	03 दिन		सहायक फैलो (प्रवीक्षाकाल)
4.	जयनारायण मीणा	15 फरवरी 1987	पुरूष	8 वीं	01 वर्ष 06 माह		कार्यालय सहायक
5.	कुलदीप गर्ग	09 फरवरी 1977	पुरूष	एम.ए. पीएचडी	05 वर्ष 04 माह	06 वर्ष	एसोसिएट फैलो
6.	मीनू	04 जनवरी 1985	महिला	बी.ए.	03 वर्ष 06 माह	02 वर्ष	कार्यकारी सहायक
7.	माधवी श्रीवास्तव	10 अक्टूबर 1984	महिला	एम..एस.डब्ल्यू.	02 वर्ष 01 माह	01 वर्ष 03 माह	सहायक फैलो
8.	ममता यादव	01 अगस्त 1983	महिला	एम.ए.	02 वर्ष 01 माह	03 वर्ष 06 माह	सहायक फैलो
9.	निशी खण्डेलवाल	16 जनवी 1981	महिला	एम.एससी.	02 वर्ष 02 माह	04 वर्ष	सहायक फैलो
10.	राजेश कुमार	07 नवम्बर 1965	पुरूष	एम.ए. पीएचडी	03 वर्ष 03 माह	22 वर्ष	कार्यकारी निदेशक
11.	सुधीर सिंह	02 जनवरी 1974	पुरूष	एम.ए.	05 वर्ष	10 वर्ष	एसोसिएट फैलो
12.	वन्दना सिंह भाटिया	06 जनवरी 1976	महिला	एम.एससी. एम.एड. (शिक्षा), एम.एस. डब्ल्यू. नेट	02 वर्ष 02 माह	02 वर्ष	सहायक फैलो

शिक्षा–विमर्श

क्रमांक	कार्यकर्ता	जन्मतिथि	लिंग	शैक्षिक योग्यता	दिगन्तर अनुभव (वर्षों में)	अन्य अनुभव (वर्षों में))	पदनाम
1.	ख्यालीराम स्वामी	20 जुलाई 1978	पुरूष	एम.ए. डीसीए	08 वर्ष 04 माह	04 वर्ष	प्रसार प्रबंधक
2.	विश्वंभर	15 जनवरी 1974	पुरूष	एम.ए.	09 वर्ष 10 माह	06 वर्ष 06 माह	सम्पादक

सन्दर्भ सहायता इकाई

क्रमांक	कार्यकर्ता	जन्मतिथि	लिंग	शैक्षिक योग्यता	दिगन्तर अनुभव (वर्षों में)	अन्य अनुभव (वर्षों में))	पदनाम
1.	अंकित सिंह तंवर	09 दिसम्बर 1986	पुरूष	एम.एससी.	02 वर्ष 09 माह	01 वर्ष	कार्यकारी सहायक (प्रवीक्षाकाल)
2.	अर्जुन लाल बलाई	11 अक्टूबर 1957	पुरूष	08 वीं	03 वर्ष 08 माह	10 वर्ष	चौकीदार
3.	भगवानसहाय शर्मा	05 मई 1987	पुरूष	बी.ए.	04 वर्ष	03 वर्ष	स्वागतकर्ता कम कम्प्यूटर ऑपरेटर
4.	ज्ञान प्रकाश रैगर	17 मई 1984	पुरूष	9 वीं	02 वर्ष 10 माह	03 वर्ष	सहायक रसोईया
5.	हरिनारायण करोल	15 सितम्बर 1963	पुरूष	बी. कॉम.	22 वर्ष 03 माह	–	मुख्य लेखापाल
6.	कालूराम गुर्जर	05 अक्टूबर 1991	पुरूष	तीसरी पास	05 माह	07 वर्ष	चौकीदार (प्रवीक्षाकाल)
7.	केशव कुमार गौतम	01 जुलाई 1970	पुरूष	बी. ए. सी लिब.	13 वर्ष 09 माह	–	पुस्तकालय प्रभारी
8.	मुकेश	16 जनवरी 1986	पुरूष	7 वीं	02 वर्ष	–	कार्यालय सहायक
9.	मुकेश शर्मा	16 जनवरी 1981	पुरूष	9 वीं	02 वर्ष	01 वर्ष 06 माह	कार्यालय सहायक
10.	मूलचंद गुर्जर	04 जुलाई 1984	पुरूष		07 माह		भोजनकक्ष सहायक
11.	मुन्ना खां	26 अक्टूबर 1964	पुरूष	–	06 वर्ष 01 माह	02 वर्ष	माली
12.	नीरज भट्ट	30 दिसम्बर 1965	पुरूष	बी. कॉम. पीजीडीसीए	16 वर्ष 06 माह	02 वर्ष	कम्प्यूटर ऑपरेटर
13.	प्रदीपकुमार पारीक	04 अप्रैल 1985	पुरूष	एम.कॉम.	02 वर्ष 07 माह	–	स्टोर सहायक
14.	पुष्कर सिंह उरियाल	11 जनवरी 1974	पुरूष	08 वीं	15 वर्ष 04 माह	03 माह	केम्पस प्रभारी कम रसोईया
15.	राजेन्द्र कुमार रावत	31 अगस्त 1974	पुरूष	बी. कॉम.	08 वर्ष 09 माह	03 वर्ष 06 माह	लेखापाल
16.	राजू गुर्जर	07 मई 1980	पुरूष	एम.ए.	04 वर्ष 05 माह	02 वर्ष 02 माह	पुस्तकालय सहायक
17.	रामदयाल शर्मा	07 नवम्बर 1984	पुरूष	बी. ए. (द्वितीयवर्षजारी)	07 वर्ष 03 माह	–	स्टोर प्रभारी
18.	राम मनोहर खण्डेलवाल	12 दिसम्बर 1983	पुरूष	एम.कॉम.	04 वर्ष	03 वर्ष	कार्यालय सहायक
19.	रीना दास	21 जून 1952	महिला	एम.ए.	34 वर्ष	09 वर्ष	निदेशक
20.	सत्य प्रकाश जोशी	23 अक्टूबर 1978	पुरूष	बी. ए. पीजीडीसीए	05 वर्ष 08 माह	02 वर्ष	कम्प्यूटर ऑपरेटर
21.	विश्राम कुमार शर्मा	18 अगस्त 1976	पुरूष	12 वीं	09 वर्ष 06 माह	04 वर्ष	कार्यालय कार्यवाहक

सैन्टर फॉर टीचर नॉलेज (CTK) कार्यक्रम

क्रमांक	कार्यकर्ता	जन्मतिथि	लिंग	शैक्षिक योग्यता	दिगन्तर अनुभव (वर्षों में)	अन्य अनुभव (वर्षों में))	पदनाम
1.	कैलाश चन्द मीणा	20 दिसम्बर 1971	पुरूष	8 वीं	11 माह		कार्यालय सहायक
2.	निशा गुप्ता	20 नवम्बर 1980	महिला	एम.एससी.	04 वर्ष 02 माह	02 वर्ष	शोधकर्ता
3.	योगेन्द्र कुमार दाधीच	04 मई 1979	पुरूष	एम.ए. पीजीडीसीए	06 वर्ष 01 माह	05 वर्ष	शोधकर्ता
4.	रवि प्रकाश	15 अक्टूबर 1985	पुरूष	एम.ए.	02 माह	05 वर्ष	मुख्य शोधकर्ता
5.	सिमरन लुथरा	16 मई 1983	महिला	एम.ए.	01 माह	07 वर्ष	मुख्य शोधकर्ता

शिक्षा समर्थन परियोजना, फागी (जयपुर)

क्रमांक	कार्यकर्ता	जन्मतिथि	लिंग	शैक्षिक योग्यता	दिगन्तर अनुभव (वर्षों में)	अन्य अनुभव (वर्षों में))	पदनाम
1.	अशोक कुमार शर्मा	12 अप्रैल 1976	पुरूष	एम.ए.	14 वर्ष 03 माह	–	कार्यक्रम समन्वयक
2.	कन्हैयालाल शर्मा	01 अगस्त 1980	पुरूष	10 वीं	03 वर्ष 06 माह	06 वर्ष	कार्यालय सहायक
3.	चतुर्भुज बुनकर	04 जुलाई 1975	पुरूष	एम.ए.	07 वर्ष 06 माह	06 वर्ष 06 माह	नोडल समन्वयक
4.	बाबूलाल मीणा	09 जुलाई 1970	पुरूष	एम.एससी.	07 वर्ष 01 माह	04 वर्ष	नोडल समन्वयक
5.	मदन लाल बैरवां	15 सितम्बर 1983	पुरूष	बी.ए.	01 वर्ष 08 माह	06 वर्ष 06 माह	कम्प्यूटर ऑपरेटर कम लेखापाल
6.	राजेन्द्र सिंह	01 जुलाई 1978	पुरूष	एम.ए.	07 वर्ष 10 माह	04 वर्ष	नोडल समन्वयक
7.	सुरेश कुमार सैनी	10 फरवरी 1981	पुरूष	एम.ए. बी. एड.	02 वर्ष 05 माह	05 वर्ष	नोडल समन्वयक
8.	सुभाष वैष्णव	26 जनवरी 1981	पुरूष	एम.ए.	03 वर्ष 11 माह	05 वर्ष 06 माह	नोडल समन्वयक

7.3 वित्तीय विवरण

S.D. PANDEY & CO.
CHARTERED ACCOUNTANTS

TELEPHONE : 2376302, 2361640
FAX : 0141-2361612
TELEGRAM : "PANDEYCO"

"PANDEY CHAMBER"
6, GOPAL BARI, AJMER ROAD,
JAIPUR-302001 (RAJASTHAN)
E-MAIL : sdprajiv@bsnl.in

FORM NO. 10BB
[See Rule 16CC)

Audit Report under section 10(23C) of Income Tax Act, 1961, in the case of any fund or trust or institution or any university or other educational institution or any hospital or other medical institution referred to in sub-clause (iv) or sub-clause (v) or sub-clause (vi) or sub-clause (via) of section 10(23C)

(i) We have examined the Balance Sheet as at 31.3.2012 and the Income and Expenditure for the year ended on that date attached herewith of Digantar Shiksha Evam Khel Kud Samiti, Jaipur

(ii) We certify that the Balance Sheet and the Income and Expenditure Account are in agreement with the books of account maintained by the head office at Jaipur.

(iii) Subject to comments below –
We have obtained all the information and explanations which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of the audit.

(a) In our opinion, proper books of account have been kept by the head office of the above named Society so far as appears from our examination of the books of account.

(b) In our opinion and to the best of our information and according to the information given to Undersigned the said accounts read with notes thereon, if any, given a true and fair view –

1. In the case of the Balance Sheet, of the state of affairs of the above named Society
2. In the case of Income and Expenditure Account Surplus for the year ended on that date.

The prescribed particulars are annexed herewith :

For S.D. PANDEY & CO.,
Chartered Accountants

Jaipur
Dated : 19.06.2012

S.D. PANDEY & CO. AUDITORS JAIPUR

(RAJIV PANDEY)
Partner
M. No. 71731
FRM No. 002669C

DIGANTAR SHIKSHA EVAM KHELKUD SAMITI, JAIPUR
BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH 2012

LIABILITIES		Amount
GENERAL FUND		
Opening Balance as on 1.4.2011	13904834	
Add: Surplus transfer from I & E A/c	4461452	
Add: Surplus transfer from Vehicle sale	23396	18389682
UNSPENT GRANT		
APF Digantar Vidyalay	1670496	
PHF Programme	2207505	
ICICI Foundation	1208379	
Wipro Limited	2110669	
Azim Premji Foundation(TARU)	484366	7680114
LOANS & ADVANCES		
Secured Loan (Interest Free loan out of which FDR created - as per contra	70000000	
Unsecured loan	400000	
M/s Registhan Pvt. Ltd. (non int. bearing)	370000	70770000
Current Liabilities		
Creditors for Staff		1704045
Creditors for exp		2379544
PF Payable (since paid)		28002
TDS Payable (since paid)		62555
		101093892

ASSETS		Amount
FIXED ASSETS (As per Schedule A)		
W.D.V. As on 1.4.2011	11075130	
Add: Addition during the year	6433853	
	17509018	
Less: Depreciation	751604	16757414
INVESTMENT		
ICICI Bank FDR (Contra pledged)		70000000
FDR (DVP)		50000
CURRENT ASSETS, LOANS & ADVANCES		
CURRENT ASSETS		
CASH IN HAND		
Core Programme	11118	
Shiksha Samarthan Prog	181	
PHF Programme	5250	16550
CASH AT BANK (Scheduled Bank)		
Core Programme	6184462	
Shiksha Samarthan Programme	116080	
PHF Prog	2508962	8809504
TDS Receivable		3265497
Sundry Debtors		709871
Closing Stock of Books (certified by management)		255484
Accrued interest on FDR		1200811
Telephone Security		5767
		101093892

Auditor's Report
Significant Accounting Policies (As per Schedule 'B')

For Digantar Shiksha Evam Khelkud Samiti

FOR S.D. PANDEY & CO.
CHARTERED ACCOUNTANTS

(RAJIV PANDEY)
PARTNER
M. NO. 71731
FRN NO. 003669C

S.D. PANDEY & CO. AUDITED JAIPUR

TREASURER
Treasurer

SECRETARY
Secretary

PRESIDENT
President

A C

PLACE: JAIPUR
DATED: 19.06.2012

Laboratory

DIGANTAR SHIKSHA EVAM KHELKUD SAMITI, JAIPUR

INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH 2012

INCOME		Core Programme	Shiksha Samart. Pro.	Quality Edu. Pro. Baran	PRP (OTK)	TOTAL
By Grant in aid from APF(DVP)	17133787					
Add : Unspent as per last year	[illegible]					
	17701058					
Less: Unspent grant for the year	1670894	16030164				16030164
Grant in Aid APF (TARL)	2708714					
Add : Unspent as per last year	1341151					
	4349851					
Less: Unspent grant for the year	484308	3865501			-	3865501
Grant in Aid from ICICI Foundation/QEP Baran	121827					
Less : Unspent Grant for the year	0			121827		121827
Grant in Aid from Wipro Ltd.	1210359					
Add : Unspent as per last year	2369650					
	3579994					
Less : Unspent for the year	2110009		1469272			1469272
Grant in Aid from Paul Hamlyn Foundation	2704618					
Less : Unspent Grant for the year	2207505				497113	497113
Interest On FDR						
Opening Balance	41700					
Add : Received during the year	5705090					
	5746790					
Less : unspent for the year	1206379	45,40,411		-		4540411
Bank Interest		10,521	8958	2908	3055	25442
Subscription of Educational Magazine		2,17,416	-	-	-	217416
Teaching Material Disposal		88,323	-	-	-	88323
Hostel Rent		61,334	-	-	-	61334
Donation		[illegible]				1
Institutional Fee		4,46,000	-	-	-	446000
Institutional Cost		48,828	-	-	-	48828
Boarding, Lodging & Training Charge		6,33,511	-	-	-	633511
Closing Stock of books		2,55,484	-	-	-	255484
Other Income		50,190	2175	5000	-	57365
Library Missing Book		3,403	1222	-	-	4625
Transfer to Balance Sheet			44112	70000		114112
Total		**26281466**	**1926539**	**199735**	**501075**	**28878006**

CONTD

A
C

S. D. PANDYA & CO.
AUDITED
JAIPUR

DIGANTAR SHIKSHA EVAM KHELKUD SAMITI, JAIPUR

INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH 2012

EXPENDITURE	Core Proramme	Shiksha Samart. Pro.	Quality Edu. Pro. Baran	PHF (CTK)	TOTAL
To Salaries	16776269	1514277	102098	356662	18749306
Honorarium	48700				48700
Training & study visit	228581				228581
Postage & Telegram Exp.	271407				271407
Legal/Consultancy fee	187112				187112
Electricity Exp.	276862				276862
Audit Fees	71957				71957
Material & Activity exp.	-	-	-	92,721	92721
Meeting & Workshop Exp.	438149	68382			506531
News Paper & Magazines	39221				39221
Printing & publication	603775				603775
Repair & Maintenance	243273				243273
Stationery Exp.	62507				62507
Travel & Local conveyance	198925	105429	5638		309992
Vehicle Running & Maint.	41819				41819
Books & Teaching Learning material	230835				230835
Boarding & Lodging Exp.	19584				19584
Bank Charges	1206	655		80	1941
Depreciation	621387	61460	66022	1845	751634
Office Running Cost	2,39,685				239685
Office Maint. Exp	27271	175316	7395		209982
Other School Activity	4,76,140	-			476140
Foundation Course Exp.	243712				243712
Electricity Connection	2,56,462	-			256462
Sandarbh Shala Project	57,196	-			57196
School Affiliation	11,000	-			11000
School Vehical Maintinance	3,926	-			3926
Institutional Cost /Contingancy	-	-		48,628	48628
Project Bindup exp.	-	-	17,362		17362
Library Missing Book Expenses			520		520
Transfer to Balance Sheet	4574505			1139	4575644
	26251486	1925539	199905	501075	20078005

AUDITORS REPORT

SIGNED IN TERMS OF OUR REPORT OF EVEN DATE ANNEXED

For Digantar Shiksha Evam Khelkud Samiti

FOR S.D. PANDEY & CO.
CHARTERED ACCOUNTANTS

(RAJIV PANDEY)
PARTNER
M. No. 71731
FRM NO. 002669C

S.D. PANDEY & CO. AUDITED JAIPUR

TREASURER
Treasurer

SECRETARY
Secretary

PRESIDENT
President

PLACE: JAIPUR
DATED: 19.06.2012

A
C

DIGANTAR SHIKSHA EVAM KHEL KUD SAMITI, JAIPUR

Schedules annexed to and forming part of the Balance Sheet as at 31.3.2012

SCHEDULE A: FIXED ASSETS

particulars	W. D. V. as On 1.4.11	Addition Before	Addition After	Total As on 31.3.12	Dep. Rate	Depreciati for the yea	W.D.V. as On 31.3.12
1 H. O. Assets							
Land	60000	0	0	60000	Nil	0	60000
Building Hospital	72786	0	0	72786	2.5	1820	70966
Coolers & Fans	154318	0	0	154318	10	15432	138886
Cycle	768	0	0	768	10	77	691
EERC Building	1045687	5400	0	1051086	2.5	26277	1024809
Fan at EERC	4264	0	0	4264	10	426	3838
Fan at Hospital	426	0	0	426	10	43	383
Furniture & Bedding	114842	0	6000	120842	10	11784	109058
Hand pump	4851	0	0	4851	10	485	4366
Hospital Equipment	17786	0	0	17786	Nil		17786
Mess Equipment	32552	2000	11921	46473	10	4051	42422
Office Equipment	5205	0	0	5205	10	521	4685
P.C. Printer	24943	0	0	24943	10	2494	22449
Photo Copier	11131	0	0	11131	10	1113	10018
Refrigerator	1696	0	0	1696	10	170	1526
T.V. V.C.R.	5957	0	0	5957	10	596	5361
Typewriter	341	0	0	341	10	34	307
Vehicle	57634	0	-57634	0	10	0	0
Electric equipment	88726	0	0	88726	10	8873	79853
Fire Fighting equipment	7093	0	0	7093	10	709	6384
Building	308922	0	0	308922	2.5	7723	301199
Tube Well	47035	0	0	47035	Nil	0	47035
School Land	1616096	0	0	1616096	Nil	0	1616096
Solar Hot Water System	53574	0	0	53574	10	5357	48217
2 School Assets							
Fans	11021	0	0	11021	10	1102	9919
Furniture & Off. Equip.	72799	0	0	72799	10	7280	65519
Science laboratory	3228	0	0	3228	10	323	2905
Tape Recorder	877	0	0	877	10	88	789
3 Shaj Shiksha Project							
Furniture	5952	0	0	5952	10	595	5357
Computer & printer	24358	0	0	24358	10	2436	21922
4 SIR RATAN TATA PROJECT							
Office Furniture	2193	0	0	2193	10	219	1974
Hand Pump	7594	0	0	7594	10	759	6835
Building	69365	0	0	69365	2.5	1734	67631
5 Room to Road Prog.							
Office Furniture	9157	0	0	9157	10	916	8241
6 ICICI CORE PROGRAMME							
AEEP Primary							
Building Aug. Primary	371113	0	0	371113	2.5	9278	361835
Furniture & School equ. Primary	210174	0	0	210174	10	21017	189157
Building	2237648	0	0	2237648	2.5	55939	2181609
Library Books Primary	51414	0	0	51414	10	5141	46273
Laboratory	20083	0	0	20083	10	2008	18075
AEEP UP							
Library Aeep Up	40860	0	0	40860	10	4086	36774
Furniture & School equ.	65849	0	0	65849	10	6585	59264
TRSU							
Computer S&AU	251290	2500	32000	285790	10	26979	258811
Furniture S&AU	124805	0	2900	127705	10	12545	115160
Office Aug. S&AU	210918	0	14271	225189	10	21806	203383
Printer With copier S& AU	14041	0	0	14041	10	1404	12637
Telephone,EPBX & FAX S& A	57264	1630	43600	102473	10	8066	94407
Cell Phone Instrument	3339	0	1775	5114	10	511	4603

S. PANDEY & CO.
AUDITED
JAIPUR

A
C

TARU							
Equipment Taru	202152	27335	0	310487	10	31949	287538
Library Taru	420826	55781	26422	503029	10	48982	454047
Furniture Taru	141151	0	0	141151	10	14115	127036
Computer Taru	141076	0	0	141076	10	14108	126968
Infrastructure & Building Taru	195241	0	0	195241	10	19524	175717
Vimarash							
Furniture Vimarsh	4544	0	0	4544	10	454	4090
Computer & Accessories Vimars	102280	0	0	102280	10	10228	92052
7 **Digantar CPG Prog.**							
Equipment	77436	0	0	77436	10	7744	69692
8 **Shiksha Samarthan**							
Furniture & Equipment(Cluster)	249047	0	0	249047	10	24905	224142
Furniture & Equipment(Office)	242823	0	0	242823	10	24282	218541
Teaches Resource Liabary(CRC	50624	0	0	50624	10	5062	45562
Teaches Resource Liabary(Offic	68025	3000	1983	73008	10	7202	65806
9 **Digantar Baran Prog.**							
Inf. Supp. To D TE/BRC	302889	0	0	302889	10	30289	272600
Computer	171805	0	0	171805	10	17181	154625
Inf. Of RSA office	67551	0	0	67551	10	6755	60796
Inverter	13788	0	0	13788	10	1379	12409
Lib. For QIU	76566	0	0	76566	10	7657	68909
Cluster level Lib. Supp.	36617	0	0	36617	10	3662	32955
10 **Digantar SDTT Prog**							
Teachers Resource L.b.(Blo. Off	81965	0	0	81965	10	8197	73769
Teachers Resource L.b.(Pro.Off	54657	0	0	54657	10	5466	49191
Computer (B.O.)	21641	0	0	21641	10	2164	19477
Computer (Pro. Off.)	66138	0	0	66138	10	6614	59524
Equipment for B.O.	119333	0	0	119333	10	11933	107400
Equipment for Pro.Off.	107228	0	0	107228	10	10723	96505
Equipment for R.S.	110739	0	0	110739	10	11074	99665
11 **Digantar Literacy Research Prog.**							
Eptx(Res. Proj)	13263	0	0	13263	10	1326	11937
Equipment (Res. Proj)	219386	0	0	219386	10	21939	197447
12 **Digantar Vidyalay Programme**							
Construction	0	9600	1565165	1574765	0	0	1574765
Modification of Existing Building	0		732562	732562	0	0	732562
Boundary Wall Sports Mat	0		1559519	1559519	0	0	1559519
Computers & Printers	0		754225	754225	10	37711	716514
Furniture	0		206835	206835	10	10342	196493
Laboratory	0		37150	37150	10	1858	35293
School Equipment			391424	391424	10	19571	371853
Library Books	0	1394	50153	51547	10	2647	48900
Art & Musical Instruments	0		115462	115462	10	5773	109689
Four Wheel Vehicle(Bolaro)	0		761022	761022	10	38051	722971
Service fess for Aechitech	0		25000	25000	0	0	25000
13 **Digantar PHF Programme**							
Laptops & Computers	0	0	36900	36900	10	1845	35055
	11075165	**118709**	**6315144**	**17509018**		**751604**	**16757414**

FOR S.D. PANDEY & CO.
CHARTERED ACCOUNTANTS

(RAJIV PANDEY)
PARTNER
M. No.71731

S. D. PANDEY & CO. AUDITED JAIPUR

PLACE: JAIPUR
DATED: 19.06.2012

For Digantar Shiksha Evam Khelkud Samiti

TREASURER Treasurer | PRESIDENT President | SECRETARY Secretary

A
C

DIGANTAR SHIKSHA EVAM KHEL KUD SAMITI, JAIPUR
Schedules annexed to and forming part of Balance Sheet as at 31.3.2012

SCHEDULE B:

A **SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES**
RECOGNITION OF INCOME AND EXPENDITURE
INCOME
INCOME IS ACCOUNTED FOR ON ACCRUAL BASIS EXCEPT INSTITUTIONAL FEE AND SUBSCRIPTION FROM MEMBER IS ACCOUNTED ON CASH BASIS.
EXPENDITURE
GENERALLY EXPENSES ARE ACCOUNTED FOR ON ACCRUAL BASIS

FIXED ASSETS
FIXED ASSETS VALUATION IS ON HISTORICAL COST LESS DEPRECIATION EXCEPT LAND. FIXED ASSETS ARE STATED AT COST LESS DEPRECIATION WHICH IS CHARGED ON W.D.V. BASIS @ 2.5% ON BUILDING AND @ 10% IN GENERAL EXCEPT ON HOSPITAL ASSETS ON WHICH NO DEPRECIATION IS PROVIDED SINCE THEY ARE NOT IN USE.

INVENTORY
STOCK OF PUBLICATION BOOKS IS VALUED AT 75% OF COST AS THE MANAGEMENT ESTIMATES WRITEOFF ON ACCOUNT OF OLD EDITION WHICH GO OUT OF CIRCULATION.

B THE SOCIETY IS EDUCATIONAL INSTITUTION EXISTING SOLELY FOR PURPOSES OF EDUCATION AND NOT FOR PURPOSES OF PROFIT. THE SOCIETY HAS BEEN GRANTED EXEMPTION U/S 10(23C)(vi) OF IT ACT, 1961 BY THE INCOME TAX DEPARTMENT.

For Digantar Shiksha Evam Khelkud Samiti

FOR S.D. PANDEY & CO
CHARTERED ACCOUNTANTS

(RAJIV PANDEY)
PARTNER
M. No. 71731

S.D. PANDEY & CO. AUDITED JAIPUR

TREASURER Treasurer | SECRETARY Secretary | PRESIDENT President

PLACE: JAIPUR
DATED 19.06.2012

A
C

7.4 दिगन्तर पहुँचना

जयपुर से–

पहले जगतपुरा (जयपुर) रेल्वे फाटक पहुँचिए। रेलवे फाटक को पार किये बिना, रेलवे पटरी के समान्तर बांयी तरफ खोनागोरियान सड़क पर आएं। सड़क के साथ लगभग 1.75 किलोमीटर चलते हुए ग्रीनवुड अपार्टमेंट के पास बांयी ओर घुम जाएं। इस अपार्टमेंट के सामने ही एक कच्चा रास्ता ढलान में उतरता दिखाई देगा। इस रास्ते पर उतरते ही आप हिन्दी भाषा में "दिगन्तर" लिखा हुआ बोर्ड पायेंगे। बोर्ड के साथ ही दांई ओर कच्चा रास्ता है जिस पर लगभग 200 मीटर की दूरी चलिए। अब आप दिगन्तर में है।

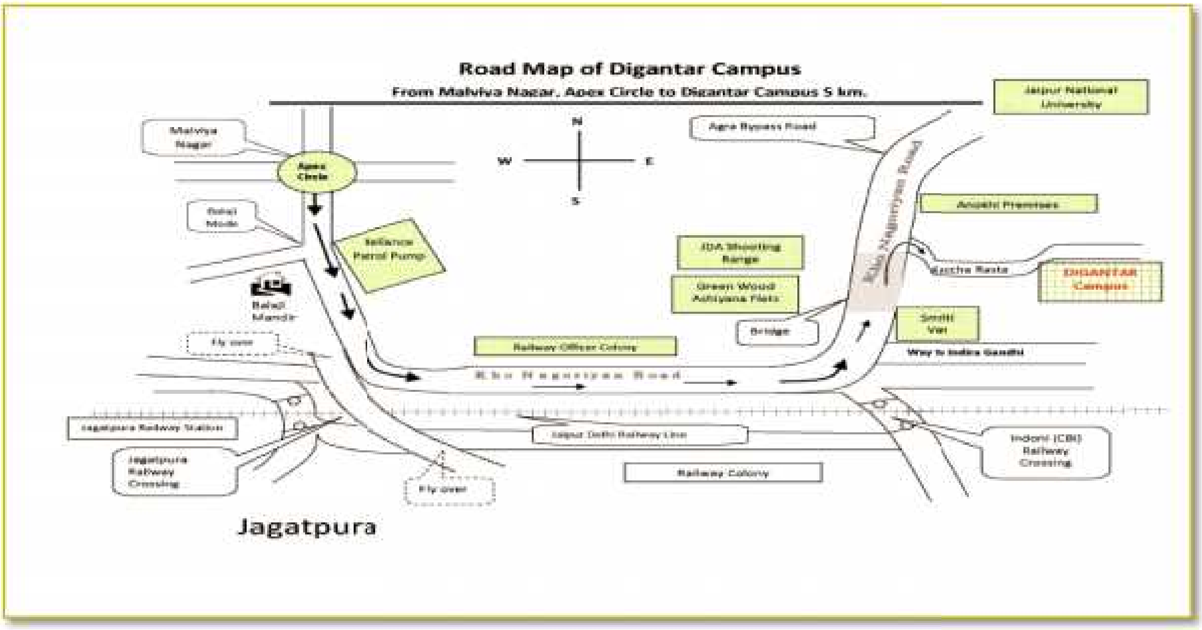

दिगन्तर वेबसाईट : दिगन्तर वेबसाईट 2006 से प्रारम्भ है। जो नियमित रूप से अपडेट हुई है। उम्मीद है कि हमारी विभिन्न कार्यक्रम और उनकी गतिविधियों की जानकारी प्रसारित करने में यह वेबसाईट अपनी उपयोगिता को सिद्ध कर पायेगी। हमारी वेबासाईट : www.digantar.org

रपट लेखन : अशोक कुमार शर्मा

सहयोग : रीना दास, अब्दुल गफ्फार, राजेश कुमार, विश्वंभर, देवयानी व हरिनारायण।

दिगन्तर शिक्षा एवं खेलकूद समिति

टोडी रमजानीपुरा, खो नागोरियान रोड़, जगतपुरा, जयपुर–302017

फोन : + 91–0141–2750230, 2750310 **फैक्स** : + 91–0141–2751268

ईमेल : reenadasroy@gmail.com **फोन** : 09414054047 (निदेशक)

digantarvidyalay@gmail.com **web:** www.digantar.org